TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | 19 नवंबर को आगरा में होगा चुनाव तैयारियों का महामंथन... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | रविवार | दिनांक- 15.11.2026

'सत्ता स्थायी नहीं होती': कार्टूनिस्टों के अकाउंट ब्लॉक होने पर भड़के राज ठाकरे



पुणे। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कार्टूनिस्टों के सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को यह समझना चाहिए कि उनकी कुर्सी स्थायी नहीं है और एक दिन उन्हें भी सत्ता छोड़नी पड़ेगी। राज ठाकरे शनिवार को आयोजित 'सकल लिट फेस्ट 2026' में बोल रहे थे। इस दौरान उनसे अभिव्यक्ति की आजादी, कार्टूनिस्टों के सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक किए जाने और लोकतंत्र में राजनीतिक कार्टूनों की भूमिका सहित विभिन्न मुद्दों पर सवाल पूछे गए। पिछले 10 से 15 दिनों में कई प्रमुख राजनीतिक कार्टूनिस्टों के सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक किए जाने और इससे उनकी अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होने के सवाल पर राज ठाकरे ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को समझना चाहिए कि सत्ता पर उनका स्थायी अधिकार नहीं है। आखिरकार उन्हें भी इसे छोड़कर जाना होगा।

नेहरू, इंदिरा और शास्त्री का क्यों दिया उदाहरण?

राज ठाकरे ने पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और मोरारजी देसाई का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने कभी आरके लक्ष्मण और बालासाहेब ठाकरे जैसे कार्टूनिस्टों को कार्टून बनाने से नहीं रोका। उन्होंने एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि बालासाहेब ठाकरे ने एक बार जवाहरलाल नेहरू का कैरिकेचर (व्यंग्य चित्र) बनाकर उन्हें भेजा था। नेहरू ने वह चित्र वापस भेजते हुए उस पर अपने हस्ताक्षर के साथ लिखा था- 'कार्टूनिस्ट को मेरी शुभकामनाएं'। राज ठाकरे ने भारत में मौजूदा हालात की तुलना टीवी देखते समय इंटरनेट कनेक्शन बंद हो जाने से की। उन्होंने कहा कि इंटरनेट आखिरकार वापस आ ही जाएगा।

वहीं अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा और इसके नाम पर होने वाली अति को लेकर पूछे गए सवाल पर राज ठाकरे ने भाजपा के लोकतंत्र बचाओ मार्च पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह समझ नहीं आया कि सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के खिलाफ मार्च क्यों निकाल रही है। आमतौर पर विपक्षी दल ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और मार्च निकालते हैं।

'14 करोड़ मतदाताओं को अवैध बताया'

राहुल ने निर्वाचन आयोग पर उठाए सवाल; महाराष्ट्र चुनाव का जिक्र क्यों किया?

एजेंसी, हैदराबाद।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत सम्मेलन 2026 के समापन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और निर्वाचन आयोग को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का भी जिक्र किया। इस दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी मौजूद रहे।

सम्मेलन में राहुल गांधी ने क्या कहा?

राहुल गांधी ने कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में जिन 14 करोड़ लोगों ने वोट दिया था, कुछ महीने पहले उन्हें या तो ऐसा मतदाता बताया गया जिसका कोई अस्तित्व नहीं था या फिर ऐसा व्यक्ति बताया गया जिसने वोट ही नहीं दिया था। अगर निर्वाचन आयोग ने 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध गैर-मतदाता घोषित कर दिया है, तो फिर वह चुनाव वैध कैसे हो सकता है?

उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र इसका एक उदाहरण है। वहां पहले लोकसभा चुनाव हुआ। हमारे गठबंधन ने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। लेकिन तीन महीने बाद ही हम बुरी तरह हार गए। जब हमने इसकी बारीकियों को देखना शुरू किया, तो पाया कि दोनों चुनावों में हमें बिल्कुल बराबर वोट मिले थे। तीन महीने में 70 लाख नए मतदाता जुड़ गए। इन सभी 70 लाख मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया। इसके बाद भाजपा चुनाव जीत गई।

2014 के चुनाव को लेकर क्या बोले राहुल गांधी?

राहुल गांधी ने कहा, 2014 में हमने एक बिल्कुल नया चुनाव



देखा। ऐसा चुनाव हमने पहले कभी नहीं देखा था। राजनीतिक व्यवस्था में लाखों-करोड़ों डॉलर लगाए गए। जिस चुनावी व्यवस्था का इस्तेमाल करीबी मुकाबलों और गठबंधन की राजनीति के लिए किया जाता था, उसे अचानक पूरी तरह बदल दिया गया। अगर मैं यह कहूं कि विपक्ष इस बदलाव से हैरान नहीं था, तो यह झूठ होगा।

उन्होंने कहा, एक दशक तक भारतीय राजनीति में यह संकट बना रहा। फिर अचानक हमें पता चला कि आखिर क्या हो रहा था। हमने इसका पता लगाया और बिना किसी संदेह के साबित किया कि 2014 में भारत में लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था।

'तेलंगाना के गिग वर्कर्स से किया वादा पूरा किया'

इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने गिग वर्कर्स से किया अपना वादा पूरा कर दिया है। सरकार ने उन्हें सामाजिक सुरक्षा के फायदे दिए हैं। इनमें दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य बीमा शामिल हैं। पेंशन की सुविधा भी दी गई है। इसके अलावा, उन्हें अपने काम से जुड़े डेटा पर अधिकार दिया गया है। राहुल गांधी ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा और कल्याण योजना की शुरूआत भी की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट लिखी। इसमें बताया कि उन्होंने 2023 में तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ विस्तार से बैठक की थी। इस दौरान श्रमिकों ने अपनी परेशानियां, जरूरतें और मांगें बताई थीं। राहुल गांधी ने कहा कि उस समय उन्हें भरोसा दिया गया था। उनसे कहा गया था कि उनकी मांगें पूरी की जाएंगी। उन्हें सुरक्षा भी दी जाएगी।

राहुल गांधी ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा और कल्याण योजना के फायदे भी गिनाए। उन्होंने बताया कि योजना के तहत श्रमिकों को पांच लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिलेगा। उन्हें 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा भी दिया जाएगा। इसके अलावा, उनकी कमाई का एक फीसदी हिस्सा पेंशन के लिए दिया जाएगा। श्रमिकों को अपने डाटा और कमाई पर अधिकार भी मिलेगा। अलग-अलग जगहों पर वाई-फाई की सुविधा वाले आराम केंद्र भी बनाए जाएंगे।

उन्होंने एक्स पर लिखा, आज हमने अपना वह वादा पूरा कर दिया है। पांच लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, कमाई का 1 फीसदी हिस्सा पेंशन के लिए, अपने डाटा और कमाई पर अधिकार और अलग-अलग जगहों पर वाई-फाई की सुविधा वाले आराम केंद्र। राहुल गांधी ने कहा, तेलंगाना में अब ये सभी सुविधाएं गिग वर्कर्स के कानूनी अधिकार बन गई हैं।

फासीवादी लोगों की पहचान क्या होती है?

भारत सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आपको कारोबार के शीर्ष पदों पर ऐसे लोग मिलेंगे। शिक्षा जगत में भी ऐसे लोग मिलेंगे। वे ऐसा दिखाते हैं, जैसे उन्हें सब कुछ पता है। राजनीति में हम उन्हें फासीवादी कहते हैं।

उन्होंने कहा, फासीवादी लोग अक्सर चिल्लाते हैं। वे शोर मचाते हैं। वे जोर-जोर से बोलते हैं। वे किसी की बात नहीं सुनते। जबकि ज्यादातर लोग दूसरों की बात सुनते हैं। ध्यान देते हैं और विनम्र रहते हैं। इसलिए फासीवादी लोगों की आवाज ज्यादा तेज होती है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, तिहास में ऐसा देखा गया है कि जब व्यवस्थाएं टूटती हैं, तब फासीवादी लोग अचानक सामने आ जाते हैं। पिछले एक दशक से फासीवादी लोग लगातार भागते रहे हैं। वे उछलते-कूदते रहे हैं। वे चिल्लाते और शोर मचाते रहे हैं। राहुल गांधी ने संबोधन के दौरान कार्यक्रम स्थल के बाहर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने भी भारत सम्मेलन की कड़ी आलोचना की।

यूपी चुनाव: 17 नवंबर से इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर होगी बातचीत

कांग्रेस के दावे से सपा असमंजस में, अखिलेश ने कहा- जीत क्षमता के आधार पर होगा सीट बंटवारा

एजेंसी, लखनऊ।

यूपी चुनाव में इंडिया गठबंधन में सपा-कांग्रेस का साथ लड़ना तय है। गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर 17 नवंबर से चर्चा होगी। अलग-अलग सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने यूपी में सपा से 181 से 185 सीटों की मांग की है।

राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि दोनों दलों के पक्षकार 17 नवंबर से सीटों के बंटवारे पर चर्चा करेंगे। चर्चा के बाद शीर्ष नेतृत्व को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इसके बाद संयुक्त प्रेसवार्ता में सीटों की घोषणा की जाएगी।

इसके पहले, यूपी में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में बयान दिया कि कांग्रेस ने उनसे 181 सीटों की मांग की है। इस संबंध में अखिलेश ने पहले दिए गए बयान में कहा है कि बात सीटों की संख्या की नहीं बल्कि जीत की है। भाजपा को चुनाव हराने की है। उन्होंने कहा था कि जल्द ही सीटों के बंटवारे पर



चर्चा की जाएगी।

यूपी में सपा नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को मजबूत पक्ष के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने यूपी में 43 सीटों पर जीत दर्ज की थी जिसमें से 37 सीटें सपा ने जीती थीं। इसके पहले, 2019 और 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा 5 लोकसभा सीटें ही जीत सकी थी। 2024 के प्रदर्शन को देखकर इंडिया गठबंधन फिर से दोगुने उत्साह के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं।

जिला और शहर अध्यक्षों को नहीं बदलेगी कांग्रेस

इसके पहले, कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों का शंखनाद करते हुए जिला और शहर अध्यक्षों को फिलहाल नहीं बदलने का फैसला किया। प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में अध्यक्षों को चुनावी रणनीति और सियासी जंग जीतने के गुर सिखाए गए। साथ ही पार्टी की रीति-नीति और शीर्ष नेतृत्व के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। कार्यशाला में सभी जिलाध्यक्षों, शहर अध्यक्षों, फ्रंटल एवं विभागों के अध्यक्षों समेत 165 पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें संबोधित किया।

पदाधिकारियों से कहा गया कि वे कार्यकताओं को सम्मान के साथ जोड़ें, उनकी राय लें और संगठन को मजबूत करें। पार्टी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म का सकारात्मक उपयोग करें। बैठक में वार रूम की महत्ता, एसआईआर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेश को जनता तक पहुंचाने और मतदाताओं के वोट सुरक्षित रखते हुए उन्हें बूथ तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया गया।

जीत क्षमता के आधार पर होगा सीट बंटवारा: अखिलेश यादव

राजनीतिक समीकरणों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच सीटों के तालमेल पर सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस ने 181 सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत होने का दावा करते हुए सूची सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को सौंप दी है। कांग्रेस के इस दावे से सपा पसोपेश में है, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 2.33 प्रतिशत मतों के साथ महज दो सीटें हीं मिली थीं। हालांकि, कांग्रेस की सूची देखने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्पष्ट कर दिया है कि सीटों का बंटवारा पूरी तरह से जीत की क्षमता के आधार पर होगा। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व ने जमीनी रिपोर्ट के आधार पर उन 181 विधानसभा सीटों की एक सूची तैयार की है, जहां उन्हें लगता है कि उनकी स्थिति मजबूत है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि पिछले कुछ महीनों में राज्य में पार्टी के पक्ष में माहौल बदला है और इन सीटों पर अल्पसंख्यक, दलित और युवा मतदाताओं का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ा है। कांग्रेस का मानना है कि गठबंधन के तहत यदि इन सीटों पर पार्टी को लड़ने का मौका मिलता है, तो परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं। वहीं, सपा ने कांग्रेस के इन दावों पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि गठबंधन धर्म का पूरी तरह पालन किया जाएगा, लेकिन वास्तविक स्थिति को भी ध्यान में रखा जाएगा।

सीटों का यह पेंच आसान नहीं

सपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक होना चाहिए, लेकिन इसका आधार केवल कागजी दावे नहीं होने चाहिए। आंतरिक चचाओं के आधार पर सपा से यह संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस को बातचीत के बाद अंततः 30 से 40 सीटें दी जा सकती हैं।

बिहार जैसे हालात नहीं बनने देगी सपा

सपा के एक नेता ने नाम न छापने के अनुरोध के साथ बताया कि बिहार में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच आखिरी समय तक खींचतान चलती रही। गठबंधन होने के बावजूद कई सीटों पर दोनों दलों ने अपने प्रत्याशी उतारे। वहां गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसलिए यूपी में अखिलेश यादव ऐसी स्थिति नहीं आने देंगे, चाहें इसके लिए कठोर फैसला भी क्यों न लेना पड़े।

14 वर्षीय जनजातीय आदिवासी बालिका के यौन उत्पीड़न के आरोपों में कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर हो कठोरतम कार्रवाई : अभाविप

कांग्रेस-NSUI से जुड़े निरंतर सामने आ रहे यौन उत्पीड़न के प्रकरणों से कांग्रेस का महिला विरोधी चरित्र उजागर

टीएनएफ टुडे, नई दिल्ली।



अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) झारखंड के सिमडेगा से कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा के विरुद्ध 14 वर्षीय नाबालिग जनजातीय बालिका द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न, शारीरिक प्रताड़ना एवं धमकी के गंभीर आरोपों को अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण मानती है। इस प्रकरण में पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज होना अत्यंत गंभीर विषय है। अभाविप मांग करती है कि मामले की त्वरित जांच कराई जाए, पीड़िता एवं उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित हो। इस प्रकरण के विरोध में अभाविप झारखंड प्रदेश द्वारा कांग्रेस का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया गया।

कांग्रेस एवं उसके छात्र संगठन ठरवक से जुड़े महिला उत्पीड़न के लगातार सामने आ रहे प्रकरण उनके महिला सम्मान संबंधी दावों की वास्तविकता उजागर कर रहे हैं। वर्ष 2018 में ठरवक के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान पर एक महिला कार्यकर्ता ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज में ठरवक पदाधिकारी अनस खान को छात्राओं से जुड़े गंभीर प्रकरण में महाविद्यालय प्रशासन ने निलंबित किया है। दूसरी ओर, जेएनयू की छात्राओं की शिकायतों से जुड़े डॉ. बिमोल अकोइजाम को कांग्रेस ने मणिपुर की प्रदेश चुनाव एवं प्रचार समितियों में सदस्य तथा घोषणापत्र समिति में सह-अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी हैं। इन लगातार सामने आ रहे प्रकरणों के बीच कांग्रेस का महिला सम्मान संबंधी विमर्श केवल बयानों तक सीमित दिखाई देता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि, "झारखंड में 14 वर्षीय नाबालिग जनजातीय बालिका से जुड़े यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस प्रकरण की त्वरित जांच होनी चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। पीड़िता एवं उसके परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। फिरोज खान, अनस खान एवं डॉ. बिमोल अकोइजाम से जुड़े प्रकरण कांग्रेस के महिला सम्मान संबंधी दावों और उसके वास्तविक आचरण को उजागर करते हैं। कांग्रेस नेतृत्व को इन मामलों में अपनी जवाबदेही तय करनी चाहिए। अभाविप बालिकाओं की सुरक्षा एवं न्याय के लिए निरंतर आवाज उठाती रहेगी।"

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रदेश के प्रदेश मंत्री श्री प्रकाश टूटी ने कहा कि, "एक 14 वर्षीय जनजातीय बालिका से जुड़े इस गंभीर प्रकरण में पीड़िता को न्याय दिलाना और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक पद या प्रभाव के कारण न्याय की प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। अभाविप झारखंड प्रदेश इस प्रकरण में न्याय सुनिश्चित होने तक अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।"

असमः काजीरंगा हादसे के मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 9 लाख

एजेंसी, गुवाहाटी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि काजीरंगा में एक दिन पहले हुई मिनीबस और ट्रक की टक्कर में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 9 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

काजीरंगा के रंगाजन में एनएच-715 पर दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद सरमा ने बताया कि इस अनुग्रह राशि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 2 लाख रुपये का मुआवजा भी शामिल है। शुक्रवार को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास दो वाहनों की आमने-सामने की टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कई कॉलेज के छात्र थे, जो अपनी क्लास से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

सरमा ने पत्रकारों को बताया, 'मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच लाख रुपये, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से 2 लाख रुपये और प्रधानमंत्री की ओर से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।'

उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद जब शव उनके घरों तक पहुंच जाएंगे, तो मंत्री खुद मृतकों के परिजनों के घर जाकर उन्हें यह राशि सौंपेंगे। सरमा ने कहा, 'किसी भी रकम से इस नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती, खासकर उन परिवारों के लिए जिन्होंने एक से अधिक सदस्य खो दिए हैं।'

एम्स में होगी तहव्वुर राणा की जांच

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को लेकर बड़ी खबर है। दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत ने तिहाड़ जेल प्रशासन को उसे पूरा इलाज देने का निर्देश दिया है। अदालत ने उसे एम्स में जांच कराने के लिए भी कहा है।

राणा ने अदालत में याचिका दायर की थी। इसमें उसने कान, नाक और गले (ईएनटी) से जुड़ी समस्याओं और हड्डियों से जुड़ी परेशानियों का जिक्र किया था।

विशेष एनआईए अदालत ने तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि राणा को पूरा चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, उसकी जांच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कराई जाए।

नेहरू जयंती: प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व पीएम को किया याद, कांग्रेस नेताओं ने किया नमन

एजेंसी, नई दिल्ली।



देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की आज जयंती है। इस अवसर पर सोनिया गांधी समेत वरिष्ठ नेताओं ने नई दिल्ली में पंडित नेहरू के समाधि स्थल शांति वन पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश के पहले प्रधानमंत्री को याद किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने पंडित नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी अपने परदादा और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने लिखा, 'जवाहरलाल नेहरू एक अनोखे इंसान थे। एक क्रांतिकारी, दूरदर्शी और राष्ट्र निमार्ता। यह उनके समर्पण का ही सबूत है कि उनकी मौत को साठ साल से भी ज्यादा समय बीतने के बाद भी, हमारे संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करने वाले लोग उन पर हमला करते हैं। हमारी कामना है कि उनका इस देश के लिए प्यार हमेशा हमारा मार्गदर्शन करे।'

राहुल गांधी ने लिखा- उनका सपना आज भी हमारी प्रेरणा

राहुल गांधी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'हिंद के जवाहर, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर सादर नमन। आजादी उनकी मंजिल नहीं, देश के नए सफर का मुकाम थी। स्वराज सत्ता नहीं, हर नागरिक की भागीदारी और देश के भविष्य की जिम्मेदारी थी। भारत उनके लिए एक खोज, एक विचार था- विविधता जिसकी शक्ति, लोकतंत्र जिसका विश्वास और समानता जिसका आधार हो। एक आधुनिक, वैज्ञानिक, प्रगतिशील और आत्मविश्वासी भारत का उनका सपना आज भी हमारी प्रेरणा है। और उस सपने के भारत की ओर हमारा प्रयास ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।'

केंद्रीय मंत्रियों ने नहीं दी पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने शनिवार को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों की गैरमौजूदगी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में सांसदों ने नेहरू को श्रद्धांजलि दी, लेकिन मौजूदा प्रधानमंत्री के 29 केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों में से एक भी मंत्री वहां मौजूद नहीं था। ओ'ब्रायन ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट साझा कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'हमने आज सुबह संसद के संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को पुष्पांजलि अर्पित की। मौजूदा प्रधानमंत्री के 29 कैबिनेट मंत्रियों में से एक भी वहां मौजूद नहीं था। क्या यही शालीनता है? क्या यही सामान्य शिष्टाचार है?'

पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। पंडित नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था, जिसे अब प्रयागराज के नाम से जाना जाता है। बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। इस दिन स्कूलों में बच्चों के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कहीं खेल-कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, तो कहीं भाषण, चित्रकला और प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं। इस दिन का मकसद बच्चों की खुशी, पढ़ाई और उनके बेहतर भविष्य पर ध्यान देना है।

स्वस्थ समाज ही विकसित भारत की नीवः योगेंद्र

विकसित भारत में चिकित्सकों का योगदान विषय पर विचार-गोष्ठी का आयोजन



- विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में चिकित्सकों की भूमिका सबसे अहमः योगेंद्र उपाध्याय

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एक सशक्त और विकसित राष्ट्र के निर्माण में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से शनिवार को जयपुर हाउस स्थित जैन स्मृति भवन में ह्यविकसित भारत में चिकित्सकों का योगदानह्न विषय पर एक भव्य विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय उपस्थित रहे। इस अवसर पर शहर के चिकित्सा जगत की कई नामचीन हस्तियों ने मंच साझा किया और स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक सुलभ बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी संदेश जैन ने किया '

स्वस्थ समाज ही विकसित राष्ट्र की नींवः कैबिनेट मंत्री

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सीधा संबंध उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से होता है। उन्होंने कहा कि जब देश का हर नागरिक स्वस्थ होगा, तभी भारत विश्व गुरु और विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। कोरोना काल से लेकर आज तक चिकित्सकों ने जिस समर्पण और सेवा भाव से कार्य किया है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है। सरकार भी चिकित्सा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और चिकित्सकों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और सेवा भाव जरूरीः डॉ. सुनील शर्मा

कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुनील शर्मा और डॉ. अनुपमा शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. सुनील शर्मा ने विचार-गोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज भारत चिकित्सा पर्यटन और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए हमें आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के साथ-साथ ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचानी होंगी। चिकित्सकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे सेवा को सर्वोपरि रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक उपचार सुनिश्चित करें।

विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा चिकित्सकों का मिशन डॉ अनुपमा शर्मा

विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने में चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अपरिहार्य है। एक स्वस्थ समाज ही समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र की नींव रख सकता है। आज हमारे चिकित्सक न केवल आधुनिक चिकित्सा तकनीक और नवाचारों को अपना रहे हैं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए भी पूरी निष्ठा से समर्पित हैं। कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की गरिमामय उपस्थिति ने चिकित्सा जगत के इस सेवा भाव को नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान की है। यह विचार-गोष्ठी नीति निमार्ताओं और चिकित्सकों के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनी है, जो भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों को नई दिशा देगी।

चिकित्सकों की एकजुटता से मजबूत होगी स्वास्थ्य व्यवस्थाः डॉ. पंकज नगायच

आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) आगरा के अध्यक्ष डॉ. पंकज नगायच ने अपने वक्तव्य में चिकित्सकों की चुनौतियों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। डॉ. नगायच ने कहा कि यदि सरकार और चिकित्सा जगत मिलकर कार्य करें, तो स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे शोध और नवाचार के माध्यम से देश को चिकित्सा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दें।

मंच पर इन दिग्गजों की रही उपस्थिति

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुनील शर्मा और डॉ. अनुपमा शर्मा के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस संगोष्ठी में शहर भर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के मंच पर आईएमए आगरा के अध्यक्ष डॉ. पंकज नगायच, एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निखिल चतुर्वेदी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जे.एन. टंडन, पूर्व स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. रामबाबू हरित,डॉ जेएन टंडन, डा अरुण चतुर्वेदी, डा आशीष गौतम, डॉक्टर पार्थ सारथी शर्मा,

डा सुनील सवनानी, डा. वी के शर्मा,डॉ राधा रमन गोला,डॉ वी आर शर्मा,डॉ सौरभ शर्मा,डॉ उमाशंकर चन्दोसिया,डॉ काली चरन पचौरी,डॉ अनूप चाहर,डॉ आशीष अग्रवाल,डॉ राहुल सारस्वत

और योगी जहाजनाथ सहित शहर के प्रमुख चिकित्सक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनुपमा शर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। विचार गोष्ठी कार्यक्रम का संचालन संदेश जैन ने किया।

दीवाली के बाद सड़कों और पेड़ों के नीचे छोड़ी गई गणेश-लक्ष्मी मूर्तियों का हुआ सम्मानपूर्वक विसर्जन

ब्राह्मण परिषद की अनूठी पहल से बचे 8000 जोड़े

- आस्था के अपमान को रोकने के लिए शहरभर से एकत्र की गईं पुरानी मूर्तियां
- पार्षदों और गणमान्य नागरिकों ने इस सराहनीय मुहिम में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दीपावली के पावन पर्व के पश्चात भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की पुरानी व त्यागी गई मूर्तियों के प्रति हो रहे अनादर से आहत होकर ब्राह्मण परिषद ने एक बेहद सराहनीय और प्रेरणादायी पहल की है। परिषद के सदस्यों ने शहर की कॉलोनियों, गलियों, पार्कों, प्रमुख मंदिरों और पीपल के पेड़ों के नीचे उपेक्षित पड़ी मूर्तियों को घर-घर और विभिन्न स्थानों से एकत्र किया तथा नगर निगम के सहयोग से यमुना किनारे हाथी घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनका सम्मानपूर्वक विसर्जन किया।

ब्राह्मण परिषद के सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुनील दुबे ने बताया कि एक विशेष वाहन के माध्यम से पूरे शहर में घूमकर उपेक्षित मूर्तियां एकत्रित की गईं, जिसके तहत इस वर्ष लगभग 8,000 गणेश-लक्ष्मी मूर्तियों के जोड़ों का विधि-विधान से विसर्जन किया गया है। उन्होंने कहा कि लोग दीवाली पर नई मूर्तियां तो ले आते हैं, लेकिन पुरानी मूर्तियों को रास्तों के किनारे या कूड़े के पास छोड़ देते हैं जो हमारी आस्था पर चोट है, इसलिए परिषद हर साल यह अभियान चलाती है। नगर निगम आगरा ने इस नेक कार्य में पूरा सहयोग देते हुए यमुना तट पर विसर्जन हेतु विशेष कुंड की व्यवस्था कराई।

ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष रामदर्शन शर्मा ने बताया कि हाथी घाट पर बनाए गए इस कुंड में वैदिक रीति-रिवाज से आराध्य देवों का विसर्जन किया गया ताकि उनका अपमान न हो। ताजगंज के पार्षद सुधीर राठौड़ ने इस मुहिम से जुड़कर खुशी जताई और शहरवासियों से अपील की कि वे पुरानी मूर्तियों को खुले में न फेंके बल्कि परिषद को सौंपें। इस अवसर पर अशोक राजपूत, सपन दूबे, सुमित मुद्गल और मयंक दुबे सहित कई अन्य श्रद्धालु व सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने शहरवासियों से इस पवित्र अभियान में लगातार सहयोग करने की अपील की है।

जमीन के विवाद में घर में घुसकर परिवार पर हमला, चार घायल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव मीठपुरा में जमीन के विवाद को लेकर शुक्रवार रात परिवार के ही लोगों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में दंपति समेत चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव मीठपुरा निवासी पिंटू पुत्र चेतराम का जमीन को लेकर परिवार के लोगों से विवाद चल रहा है। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 12 बजे परिवार के कुछ लोग आगरा से गांव पहुंचे। घर पहुंचते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में पिंटू, बेटा प्रदीप, अरुण और पत्नी मेनका घायल हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि जमीन के विवाद में परिवार के ही लोगों के बीच मारपीट हुई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर में घुसी मिनी बस, देवर-भाभी की मौत, 11 घायल

- अयोध्या से ताजमहल देखने आगरा आ रहे थे यात्री, हादसे के समय गहरी नींद में थे सभी, बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। अयोध्या से ताजमहल देखने आगरा आ रहे यात्रियों से भरी मिनी ट्रैवल्स बस आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। हादसे में देवर-भाभी की मौत हो गई, जबकि चालक समेत 11 यात्री घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनी बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को बाहर निकालकर एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मिनी ट्रैवल्स बस के चालक धीरज पाटिल पुत्र सुरेश पाटिल निवासी 287 लक्ष्मी नारायण सोसाइटी थाना डिडौली सूरत गुजरात ने बताया कि विगत 8 अक्टूबर को बगल के गाँव बुलाओ थाना कीम जिला सूरत गुजरात के एक ही परिवार के 12 लोगों को लेकर तीर्थ यात्रा पर काशी, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, अयोध्या घूमने के लिए निकलने थे। शुक्रवार की शाम 7:00 बजे के करीब अयोध्या से आगरा ताजमहल देखने लिए जा रहे थे। जैसे ही शनिवार तड़के चार बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 37.100 पर पहुंचे तो हरदोई से चावल लेकर गुजरात जा रहे ट्रेलर में पीछे टक्कर लग गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मिनी बस का कंडक्टर साइड का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। धमाके की आवाज सुनकर यात्रियों को आँख खुली तो चीख-पुकार मच गयी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगने के बाद दो यात्री मिनी बस में फंस गए। जानकारी पर यूपीडा की टीम व फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और बस में फंसे लोगों को बाहर निकालकर उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेज दिया गया। वहीं क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त मिनी बस को लुहारी चौकी पर खड़ा करवा दिया गया। वहीं पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लिया है। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने देवर प्रदीप पुत्र किशोर उम्र 53 वर्ष ,भाभी जनक बेन पत्नी कीरत सिंह उम्र करीब 58 वर्ष निवासी कीम बुलाओ थाना कीम जिला सूरत गुजरात को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं अन्य घायलों का उपचार चल रहा है।

हादसे में ये हुए घायलः मनोहर सिंह पुत्र सिंघा, उमा बेन पत्नी प्रदीप सिंह,पदमा बेन पत्नी सुरेंद्र सिंह, उर्वशी बेन पत्नी भावेश भाई पांडिया, किट्टू कुमारी पत्नी कीरत सिंह, पृथ्वी पुत्र वीरेंद्र सिंह छांसठिया उम्र 15 वर्ष ,पृथ्वी पत्नी वीरेंद्र सिंह छांसठिया, वर्षा बेन पत्नी मनोहर सिंह ,रेणुका, हिना सहित चालक धीरज पाटिल घायल हो गए। पृथ्वी की हालत गंभीर बताई जा रही है।वहीं चालक को छोड़कर सभी का एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा में इलाज चल रहा है। हादसे के समय सभी यात्री सो रहे थे। सुबह का समय होने के कारण सभी यात्री गहरी नींद में में थे। जोर का झटका और धमाके की आवाज होने पर यात्रियों की आँख खुली तो चीख पुकार में मच गई।सभी यात्री घायल हो गए।

80 की रफ्तार से टकराई ट्रेलर से मिनी बस

चालक धीरज पाटिल ने बताया कि सुबह का समय होने के कारण सभी यात्री सो रहे थे। मिनी बस की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार में चल रही थी। वहीं मिनी बस चालक का कहना है। कि आगे चल रहे ट्रेलर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिये थे। इस वजह से हादसा हुआ है।

डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल से बात करने पर बताया के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है जिनका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनका उपचार चल रहा है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की हुंकार! शिक्षकों को दिखाई जवाबदेही की राह

विद्या भारती की बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, ठएढ और विद्यालयों के विकास पर किया मंथन

- शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम
- शिक्षकों की सक्रियता, अनुशासन और समयपालन पर विशेष जोर
- एनईपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और शिक्षण में नवाचार पर मंथन



टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री देशराज शर्मा के मार्गदर्शन में विद्या भारती ब्रज प्रांत की पाँच समितियों के 38 पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक सरस्वती विद्या मंदिर, कमला नगर, आगरा में आयोजित की गई। यह बैठक उनके तीन दिवसीय प्रवास (12 से 14 नवंबर 2026) के अंतर्गत संपन्न हुई।

बैठक में विद्या भारती ब्रज प्रांत के संगठन मंत्री श्री हरिशंकर जी, भारतीय शिक्षा समिति के मंत्री प्रोफेसर प्रभास्कर राय जी, प्रदेश निरीक्षक यशवीर सिंह तथा शिशु शिक्षा समिति के निरीक्षक हरवीर सिंह सहित भारतीय शिक्षा समिति, उइए बोर्ड, वढ बोर्ड, श्री विद्या परिषद, शिक्षा समिति एवं जन शिक्षा समिति से जुड़े कुल 38 पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण, शिक्षकों की भूमिका, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य वक्ता श्री देशराज जी शर्मा ने अपने उद्बोधन में शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम एवं परीक्षा तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों के बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक एवं शारीरिक विकास का माध्यम बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों की सक्रिय भूमिका, अनुशासन, समयपालन, नियमित उपस्थिति तथा विद्यार्थियों में संस्कार एवं जीवन मूल्यों का विकास अत्यंत आवश्यक है।बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (ठउऋ) 2023 के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों में नवाचार, गतिविधि आधारित एवं कौशलपरक शिक्षा, तकनीकी संसाधनों के उपयोग तथा शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण पर विशेष चर्चा हुई। साथ ही विद्यालयों में सकारात्मक एवं बाल-केंद्रित शैक्षिक वातावरण विकसित करने पर जोर दिया गया।

पदाधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने, शिक्षकों एवं अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित करने, सामूहिक निर्णय प्रक्रिया को बढ़ावा देने तथा विद्यालयों की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान खोजने पर भी अपने विचार रखे। बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक परिवर्तन के लिए सभी शैक्षिक समितियों, विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को साझा दृष्टिकोण के साथ कार्य करना होगा, जिससे विद्यार्थियों को योग्य, संस्कारवान एवं जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सके।

अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान देशराज शर्मा ने विद्यालय की शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा विद्यालय के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रवास एवं बैठक के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधक अमित अग्रवाल जी, प्रधानाचार्य अमित चतुर्वेदी जी तथा अरविंद मिश्रा, सुनील चौधरी, नवनीत गोलछा, अमित गौड़, रजनी गुप्ता, पूनम पांडे, ज्ञानेंद्र तिवारी, किशन सारस्वत, राहुल चौधरी एवं शक्तिमान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देना, विभिन्न समितियों के बीच समन्वय बढ़ाना तथा विद्या भारती के शैक्षिक उद्देश्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारना रहा।



हुसैनपुरा में दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, चार घायल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव हुसैनपुरा में विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों से चार लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव हुसैनपुरा निवासी अमित पुत्र अशोक ने बताया कि शुक्रवार शाम पीपल चौकी पर विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर शनिवार को गांव के रजत पुत्र संजय कुमार पक्ष के लोग गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर उसके घर पहुंच गए और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान अमित पुत्र अशोक, सोमवती पत्नी शंकरलाल और महेश पुत्र शंकरलाल घायल हो गए। वहीं, दूसरे पक्ष से रजत पुत्र संजय कुमार भी घायल हुआ है। घटना के दौरान किसी ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने चारों घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक्सप्रेसवे पर कुत्ते से टकराई कार, बड़ा हादसा टला

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के अचानक सड़क पर आए कुत्ते से कार टकरा गई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार सवार चार लोग बाल-बाल बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रघुनंदन पुत्र मदनलाल निवासी डी-83, देवनगर, सरदारजी फार्म हाउस, मुरलीपुरा, जयपुर (राजस्थान) तीन अन्य लोगों के साथ अयोध्या से जयपुर जा रहे थे। शनिवार तड़के उनकी कार एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 14.200 पर पहुंची, तभी अचानक सड़क पर कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार कुत्ते से टकरा गई। टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि कार में सवार चारों लोग सुरक्षित बच गए। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि कार कुत्ते से टकराकर क्षतिग्रस्त हुई है। कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

बाल दिवस पर भूपेंद्र कन्या इंटर कॉलेज एवं सेंट भूपेंद्र कॉन्वेंट स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।



14 नवंबर, बाल दिवस के शुभ अवसर पर भूपेंद्र कन्या इंटर कॉलेज एवं सेंट भूपेंद्र कॉन्वेंट स्कूल, श्यामो में बच्चों के उत्साह, उमंग और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक छोटी सी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ संचालक अमित कुमार जी, प्रबंधक अंकित कुमार जी, प्राचार्य धर्मेंद्र सिंह जी, उप प्राचार्य योगेंद्र सिंह जी एवं प्रधानाध्यापक करन कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं शिक्षिकाओं की देखरेख में किया गया। इसमें शेखर सर, शिवम सर, अरविंद सर, जसराम सर, दलीप सर तथा ममता मैम, दीप्ति मैम, रूबी मैम, शिवानी मैम, अंजली चक मैम, अंजली मैम, सीमा देवी मैम ,अंजली कुमारी मैम, रूबी देवी मैम पायल मैम, मनीषा मैम, भावना मैम , खुशबू मैम, संजना कुमारी मैम,कविता मैम एवं शिवदेवी मैम सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में साइकिल, द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में सर्टिफिकेट एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियाँ आगे भी आयोजित की जाती रहेंगी, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। बाल दिवस के इस आयोजन ने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद के महत्व को समझने और अपनी प्रतिभा निखारने का एक यादगार अवसर प्रदान किया।

घर के बाहर खड़ी इनोवा कार पर गिरा क्रेन का बूम, वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त

आगरा। थाना कमला नगर क्षेत्र के अंतर्गत पानी की टंकी के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। क्षेत्र निवासी मनीष अग्रवाल की इनोवा क्रिस्टा कार उनके घर के बाहर खड़ी हुई थी, तभी अचानक एक क्रेन का भारी-भरकम बूम सीधे कार के ऊपर आ गिरा। इस भीषण हादसे में इनोवा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बूम गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग सहमकर अपने घरों से बाहर निकल आए, जिससे पूरे इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनीष अग्रवाल की इनोवा क्रिस्टा पिछले दो दिनों से घर के बाहर खड़ी थी। जिस वक्त यह दुर्घटना हुई, गनीमत यह रही कि कार के आसपास या भीतर कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा एक बड़ा जनहानि का संकट खड़ा हो सकता था। हैरानी की बात यह है कि जिस क्रेन का बूम कार पर गिरा है, उस पर कोई भी नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज नहीं था, जिसके चलते क्रेन के मालिक और चालक की पहचान करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। घटना के तुरंत बाद पीड़ित वाहन स्वामी ने पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 पर कॉल कर इसकी शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई है और आसपास के परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि अज्ञात क्रेन का सुराग लगाकर उसके मालिक व चालक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

फाउंड्री नगर में खड़े 70 लाख के ट्रक में लगी आग, ढाई लाख रुपये के विवाद के बाद आग लगाने का आरोप

टीएनएफ टुडे, आगरा।



फाउंड्री नगर में दो दिन से खड़े करीब 70 लाख रुपये कीमत के ट्रक में आग लगने से हड़कंप मच गया। ट्रक चालक के भाई किशन ने आरोप लगाया कि दो दिन पहले ट्रक का सामने वाले वाहन से एक्सीडेंट हुआ था। हादसे के बाद सामने वाले पक्ष की ओर से ढाई लाख रुपये की मांग की जा रही थी।

किशन के मुताबिक, रुपये नहीं देने पर सामने वाले पक्ष से विवाद बढ़ गया और ट्रक में आग लगाने की धमकी दी गई। आरोप है कि दो दिन से खड़े ट्रक में शनिवार को आग लगा दी गई, जिससे ट्रक को काफी नुकसान पहुंचा।

किशन ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी पक्ष की ओर से धारा 307 के मुकदमे में फंसाने का दबाव बनाया जा रहा था। ट्रक में आग लगने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

खेत मे गड्ढा करने से रोकने पर मारपीट, जान से मारने की धमकी

शिकोहाबाद। नगला खंगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने खेत में गड्ढा खोदने से रोकने पर आरोपितों ने उसके साथ गाली गलौज की एवं लाठी डंडों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

नगला खंगर के गांव कोटरा निवासी सुधा देवी ने थाने में तहरीर दी है। जिसमें उसने कहा है कि सात नवंबर को आठ बजे वह अपने खेत पर बाजरा की पूरी बांधने गयी थी। तब उसने देखा कि उसका देवर रामकिशोर, मंजूदेवी देवरानी और तोताराम तीनों लोग उसके खेत में लगे पानी के पंपकी बगल में गड्ढा खोद रहे थे। जब उसने रोका तो उक्त लोगों ने गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उक्त तीनों लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

19 नवंबर को आगरा में होगा चुनाव तैयारियों का महामंथन

आगरा समेत 21 जनपदों के अधिकारी होंगे शामिल

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- मतदाता सूची पुनरीक्षण, ईवीएम सुरक्षा, बूथों के गठन और आगामी विधानसभा चुनाव की कार्यप्रणाली पर होगी विस्तृत चर्चा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए आगामी 19 नवंबर 2026 को आगरा के होटल आईटीसी मुगल में एक वृहद मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित होने जा रही है। इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत निर्वाचन आयोग तथा राज्य निर्वाचन आयोग लखनऊ के वरिष्ठ अधिकारीगण आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, झांसी, जालौन, ललितपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फरुर्खाबाद, कन्नौज, औरैया, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर सहित कुल 21 जनपदों के प्रशासनिक और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ चुनाव तैयारियों की गहन समीक्षा करेंगे।

बैठक की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने शुक्रवार को आईटीसी मुगल पहुंचकर मीटिंग हॉल, सीटिंग प्लान, काउंटर, एलईडी स्क्रीन, साउंड सिस्टम और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बैठक कक्ष में अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था, नाम पट्टिका, आवश्यक फर्नीचर और तकनीकी संसाधन जैसे इंटरनेट कनेक्टिविटी, प्रोजेक्टर व माइक्रोफोन पूरी तरह दुरुस्त होने चाहिए तथा सभी उपकरणों का पहले से परीक्षण कर लिया जाए। इसके अलावा, विभिन्न जनपदों से आने वाले अधिकारियों के सुगम आवागमन, यातायात प्रबंधन, वाहनों की पार्किंग के लिए पृथक प्रवेश व निकास द्वार तथा सुरक्षा के कड़े इंतजाम सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

अ अपर जिलाधिकारी (नगर)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान ने बताया कि इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान विशेष रूप से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य, मतदान केंद्रों और मतदेय स्थलों के पुनर्गठन, बूथों पर मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं, संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों के चिह्नांकन, ईवीएम-श्ढअळ के सुरक्षित रखरखाव, सुरक्षा मानकों, अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती और मतदाता जागरूकता के लिए चलाई जा रही स्वीप (रश्एएढ) गतिविधियों की प्रगति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ताजमहल की सुरक्षा में बड़ी सेंध रोकने के लिए एक्शन मोड में प्रशासन

एंटी-ड्रोन सिस्टम और ब्लाइंड स्पॉट्स पर कड़ा पहरा बैठाने की तैयारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- डीजी सुरक्षा अमरेन्द्र के. सैंगर और डीएम मनीष बंसल की मौजूदगी में सुरक्षा उपकरणों व कैमरों की क्रियाशीलता को परखा गया

ऐतिहासिक धरोहर ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। सर्किट हाउस में आयोजित स्थायी समिति की समीक्षा बैठक के दौरान ताजमहल की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण और कड़े निर्णय लिए गए हैं, जिसके तहत परिसर में लगे आधुनिक उपकरणों, सर्विलांस सिस्टम, एंटी-ड्रोन तकनीक, सीसीटीवी कैमरों और स्कैनर्स की क्रियाशीलता की गहन समीक्षा की गई। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परिसर के बाहर एक इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम तैयार किया जाए तथा सभी ब्लाइंड स्पॉट्स को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं।

बैठक में ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए स्वीकृत जनशक्ति के सापेक्ष शासन के आदेशानुसार शत-प्रतिशत तैनाती सुनिश्चित करने और वर्तमान कर्मियों के विशेष प्रशिक्षण पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा, परिसर में कार्यरत सभी संविदा और निजी कर्मियों का अनिवार्य रूप से सुरक्षा ऑडिट तथा पुलिस सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर रजिस्टर्ड और नॉन-रजिस्टर्ड गाइडों की पहचान आसान करने के लिए उन्हें अलग-अलग रंगों के पहचान पत्र दिए जाने का निर्णय लिया गया है, साथ ही ताजमहल परिसर में सैलानियों के लिए बड़ी समस्या बन चुके बंदरों के आतंक से निजात पाने और पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के लिए भी समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश संबंधित विभागों को सौंपे गए हैं।

विचार-विमर्श के उपरांत उच्चाधिकारियों की समिति ने स्वयं ताजमहल परिसर का स्थलीय भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

इस उच्चस्तरीय बैठक में पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) लखनऊ अमरेन्द्र के. सैंगर, अपर निदेशक आसूचना ब्यूरो विनीता शर्मा, महानिरीक्षक सीआईएसएफ नवज्योति गोगोई, जिलाधिकारी मनीष बंसल, अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल, डीसीपी सिटी रवींद्र कुमार, एडीए उपाध्यक्ष विजय कुमार, सेनानायक 15वीं वाहिनी पीएसी और अधीक्षण पुरातत्वविद् सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारीगण मौजूद रहे।

पांच जनपदों के स्वयंसेवकों ने सीखे राष्ट्र निर्माण और डिजिटल कौशल के गुर

- मेरा युवा भारत के तत्वावधान में 6 दिवसीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ
- लखनऊ मुख्यालय से पहुंचे अधिकारियों ने किया रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण
- कूल फॉर फन टीम और विशेषज्ञों ने स्वयंसेवकों को दिए सफलता के टिप्स

टीएनएफ टुडे, आगरा।



युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत, आगरा द्वारा यूथ हॉस्टल में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (ठश्) प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया है। छह दिवसीय इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिजनौर, हाथरस, शामली, सहारनपुर और आगरा जनपद से आए युवा स्वयंसेवक पूरी ऊर्जा के साथ हिस्सा ले रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य इन स्वयंसेवकों का कौशल विकास कर उन्हें युवा कल्याण, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के कार्यों के लिए तैयार करना है।

जिला युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार सहगल के मार्गदर्शन में चल रहे इस शिविर के दौरान मेरा युवा भारत, लखनऊ मुख्यालय के सहायक निदेशक संजीव सिंह और रवि दीक्षित ने यूथ हॉस्टल पहुंचकर रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण किया और युवाओं से संवाद कर उन्हें अपने क्षेत्रों में सामाजिक विकास कार्यक्रमों को गति देने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में हाथरस के जिला युवा अधिकारी मनीष कुमार ने युवा क्लबों के प्रभावी गठन व संचालन के गुर सिखाए, वहीं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ग्रुप 'कूल फॉर फन' के मोहम्मद अनस और मनीष परमार ने युवाओं को आकर्षक कंटेंट तैयार करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी पहुंच बढ़ाने के व्यावहारिक तरीके बताए। इसके साथ ही तृतीय सत्र में सेवानिवृत्त आरडी गोपाल भगत ने 'नशामुक्त युवा - विकसित भारत' और सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर पेंटिंग व रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया। इस सफल आयोजन में आशा रानी शर्मा, अंकित सहित अन्य सहयोगियों की भूमिका सराहनीय रही।

वोटिंग रोकने वाले बाहुबलियों और अराजक तत्वों की तैयार हो रही 'गोपनीय कुंडली'

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- सूरसदन प्रेक्षागृह में डीएम मनीष बंसल ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को दिया वल्नरेबिलिटी मैपिंग का प्रशिक्षण; 'कोई मतदाता पीछे न छूटे' की तर्ज पर होगी कार्रवाई
- संवेदनशील क्षेत्रों में मतदाताओं से सीधा संवाद कर सुरक्षा का भरोसा दिलाने, बूथों पर सुविधाएं परखने और 1950 व सी-विजिल ऐप के प्रचार के निर्देश

आगामी विधानसभा निर्वाचन को पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में सूरसदन प्रेक्षागृह में जनपद के सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को वल्नरेबिलिटी मैपिंग के संबंध में गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों ने वल्नरेबिलिटी मैपिंग की अवधारणा, उद्देश्य और निर्धारित प्रारूप में गोपनीय रिपोर्ट तैयार करने की बारीकियां समझाईं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2007 में शुरू की गई यह व्यवस्था 'कोई मतदाता पीछे न छूटे' की भावना पर आधारित है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऐसे गांवों, मजरों और मतदाता समूहों की पहचान करना है जिन्हें भय, दबाव, धमकी, प्रलोभन या बाहुबल के जरिए मतदान करने से रोके जाने की आशंका रहती है।

प्रशिक्षण में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों का सघन भ्रमण करें और पिछले चुनावों के अभिलेखों व स्थानीय सूचनाओं के आधार पर ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों व समूहों को चिन्हित करें जो मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, ताकि उनके खिलाफ समय रहते प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट केवल संवेदनशील बूथों तक ही सीमित न रहें, बल्कि मतदाताओं के बीच जाकर उनसे सीधा संवाद स्थापित करें और उन्हें सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाएं कि उनके मताधिकार के प्रयोग में किसी का डर या दबाव आड़े नहीं आने दिया जाएगा।

इसके साथ ही डीएम ने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की कार्ययोजना बनाने, सभी बूथों पर पेयजल, बिजली व रैंप जैसी मूलभूत सुविधाओं का स्थलीय सत्यापन करने और निर्धारित समयसीमा में तथ्यपरक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए 1950 मतदाता हेल्पलाइन और सी-विजिल ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया, ताकि आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर तत्काल एक्शन लिया जा सके। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (नगर)/उपव जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) अमरेंद्र कुमार वर्मा, अपर पुलिस उपायुक्त राजकुमार सिंह और एसडीएम नरेंद्र गंगवार सहित सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

चिट्ठी न कोई संदेश...न जाने कौन सा देश, कहाँ तुम चले गए...

- श्योपुर एक्सप्रेस व सच टाइम्स के स्थानीय संपादक नवीन उपाध्याय की छठी पुण्यतिथि पर नम आँखों से दी गई श्रद्धांजलि



आगरा। शहर के जाने-माने खेल शिक्षक एवं पत्रकार, 'श्योपुर एक्सप्रेस' व 'सच टाइम्स' के स्थानीय संपादक रहे स्व. नवीन उपाध्याय की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ₹न चिट्ठी न कोई संदेश, न जाने कौन सा देश, कहाँ तुम चले गए...₹ जैसी भावुक पंक्तियों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस सभा में शहर के वरिष्ठ पत्रकारों, समाजसेवियों और परिजनों ने एकत्र होकर उन्हें नम आँखों से याद किया तथा उनके पत्रकारिता जगत एवं शिक्षण कार्य के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शोक सभा में उनके परिवार की ओर से पिता कैलाश नाथ शर्मा, भाई रवि शर्मा व पवन शर्मा, भतीजे अखिल, निखिल व सागर, बहन व बहनोई मंजू व विष्णु लवानिया तथा भांजा हर्षित लवानिया उपस्थित रहे। इसके अलावा पत्रकारिता एवं सामाजिक जगत से अमित शर्मा, शंकर प्रताप, प्रवीण शर्मा, स्थानीय संपादक शशी कुमार शर्मा, सतीश मिश्रा, अमित लवानिया और राजकुमार मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे। उपस्थित वक्ताओं ने उनके संस्मरण साझा करते हुए कहा कि उनका यूं चले जाना समाज, शिक्षा और पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी कमी को लंबे समय तक महसूस किया जाता रहेगा।

एआई से बदलेगी भविष्य की तस्वीर, जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग से संवरेगा कल

- आशियाना महिला समिति ने आयोजित किया 'एआई की समझ और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग' विषय पर सेमिनार

टीएनएफ टुडे, आगरा।



आशियाना महिला समिति की ओर से ह्यकृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की समझ और उसका जिम्मेदारीपूर्वक उपयोगह्ल विषय पर सेमिनार का आयोजन सिकंदरा स्थित डॉ. एमपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में किया गया। सेमिनार का शुभारंभ समिति की अध्यक्ष डॉ. सरोज प्रशांत, मनोज बल, डॉ. माया श्रीवास्तव, डॉ. प्रमिला चावला, संस्थान के निदेशक एकेडमिक्स डॉ. विक्रांत शास्त्री एवं निदेशक एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. अनूप गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य वक्ता सुधीर अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को बदलते समय और तकनीक के साथ स्वयं को अपडेट रखना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरने के बजाय सीखकर इसका सकारात्मक रूप से उपयोग करना चाहिए। एआई केवल भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता भी है। इसका उपयोग समझदारी, सावधानी और जिम्मेदारी के साथ किया जाना जरूरी है। एआई की मदद से शोध करना और अपने कौशल को विकसित करना एक प्रभावशाली माध्यम साबित हो सकता है।

अध्यक्ष डॉ. सरोज प्रशांत ने कहा कि हम तकनीकी विकास के ऐसे युग में प्रवेश कर रहे हैं, जहां एआई हमारे जीवन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, उद्योग और संचार सहित लगभग हर क्षेत्र में एआई का उपयोग तेजी से हो रहा है। घंटों में होने वाले काम एआई की मदद से चंद सेकंडों में पूरे हो रहे हैं। सेमिनार में एआई के विभिन्न पहलुओं, संभावनाओं, चुनौतियों और सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। सेमिनार में एआई के गलत उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों से भी विद्यार्थियों को परिचित कराया गया।

कार्यक्रम का संचालन मनोज बल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रमिला चावला ने दिया। इस अवसर पर डॉ. माया श्रीवास्तव, मंजू मित्तल, अर्निमा भार्गव, मीरा बंसल, रीता जैन, पवन सिंह आदि मौजूद रहे।



मनोरिषी स्कूल में धूमधाम से मना बाल दिवस

टीएनएफ टुडे, बसई अरेला।

मनोरिशी पब्लिक स्कूल में शनिवार को बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बाद में विजेता बच्चों को पुरस्कार व सभी को प्रसाद दिया गया। प्रबंधक प्रशांत पचौरी ने बताया कि 14 नवंबर प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती है, जिन्हें बच्चे प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। प्रधानाचार्य वरुण शर्मा ने बच्चों के अधिकार, शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस दौरान ओमकार बघेल, विनय सिंह, विकास त्यागी, प्रदीप वर्मा समेत समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

क्या सचमुच लाल टोपी के रंग में रंग पाएगा नीला खेमा या सिर्फ सियासी मंचों की एक और कोरमपूर्ति बनकर रह जाएगा सपा का दलित सम्मेलन

उत्तर प्रदेश की राजनीति के मर्मज्ञों और सियासी गलियारों में इन दिनों सबसे बड़ा सवाल यही गूंज रहा है कि क्या बहुजन समाज पार्टी के सबसे सुरक्षित और मजबूत गढ़ माने जाने वाले ताजनगरी आगरा में समाजवादी पार्टी का यह नया दलित सम्मेलन वाकई कोई बड़ा भूचाल ला पाएगा या फिर यह सिर्फ भीड़ जुटाने की एक और हताश कोशिश साबित होगी। जब-जब चुनाव नजदीक आते हैं तब-तब पारंपरिक रूप से पिछड़ों की राजनीति करने वाले दलों को अचानक से अंबेडकरवादी विचारधारा और शोषित-दलित समाज के अधिकारों की बहुत गहरी याद आने लगती है, और आगरा में आयोजित होने जा रहा यह सम्मेलन उसी पुरानी सियासी पटकथा का एक नया और सजा-धजा अध्याय प्रतीत होता है। तंज कसने वाले राजनीतिक विश्लेषक पूरी तीखेपन के साथ यह सवाल पूछ रहे हैं कि जिस दल के शासनकाल में प्रशासनिक और मैदानी स्तर पर दलित उत्पीड़न की अनगिनत दास्तानें दर्ज रही हों, वह दल आज किस नैतिक बल के साथ यह दावा कर रहा है कि दलित समाज के असली हितैषी वही हैं। सपा के रणनीतिकार भले ही पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के नए और चमकदार समीकरण के सहारे यह सपना देख रहे हों कि वे गैर-जाटव दलितों को अपने पाले में खींच लेंगे, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बहुजन समाज की वैचारिक चेतना इतनी आसानी से किसी दूसरे खेमे में सेंध लगाने की इजाजत नहीं देती। यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि आज का दलित मतदाता बहुत अधिक परिपक्व और समझदार हो चुका है, जो मंच से मिलने वाले मीठे भाषणों और लुभावने नारों के झांसे में आने के बजाय अपने अधिकारों की वास्तविक सुरक्षा और राजनीतिक हिस्सेदारी का हिसाब-किताब बहुत अच्छी तरह लगाना जानता है। सम्मेलन की सफलता को लेकर जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक चाहे जितने भी बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हों, लेकिन यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या समाजवादी पार्टी सचमुच उस शोषित तबके की भीड़ जुटा पाएगी जो वर्षों से अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ता आ रहा है। यदि सपा केवल कागजी दावों और चुनिंदा चेहरों के सहारे इस सम्मेलन को सफल मानकर खुश हो रही है, तो यह उनकी बहुत बड़ी राजनीतिक भूल होगी क्योंकि जनता अब जुमलों और दिखावे के भाषणों से आगे निकलकर धरातल पर किए जाने वाले कामों को परखती है। आगरा के इस बहुचर्चित सम्मेलन से यह तो साफ हो जाएगा कि आने वाले दिनों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोटों की यह बिसात किस कर-वट बैठेगी और कौन किसे मात देगा।

रामायणम: चार हजार करोड़ का तमाशा, आत्मा नदारद!

बृज खंडेलवाल



क्या तकनीक से भक्ति पैदा की जा सकती है? क्या कंप्यूटर से गढ़े गए राक्षस, विशालकाय जानवर और आसमान छूती लड़ाइयाँ रामायण की आत्मा जगा सकती हैं? लगता है 'रामायणम' के निर्माता इसी भ्रम में जी रहे हैं। लेकिन अफसोस! दर्शकों को इस महंगे और खोखले प्रयोग की भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

आखिरकार गरुड़ थिएटर में इस बहुप्रचारित फिल्म को देखने का मौका मिला। तीन घंटे से ज्यादा लंबे इस तमाशे के बाद मन में एक ही सवाल बार-बार कौंधता रहा; क्या हमने भारतीय संस्कृति के महान महाकाव्य का सिनेमाई रूपांतरण देखा, या हजारों करोड़ की लागत वाला कोई वर्चुअल मनोरंजन पार्क? जवाब साफ है। दूसरा।

हम छह लोग फिल्म देखने गए थे। उम्मीदें बड़ी थीं। प्रचार मशीन लगातार शोर मचा रही थी। हजारों करोड़ के बजट की चर्चा थी। दावा था कि भारतीय सिनेमा नया इतिहास रचने जा रहा है। रामायण को विश्वस्तरीय तकनीक के साथ पेश किया जाएगा। पर्दे पर तकनीक का जलवा जरूर दिखाई दिया। कल्पना, कंप्यूटर ग्राफिक्स और भव्यता की कोई कमी नहीं थी। मगर सवाल यह है कि रामायण कहाँ थी? उसकी आत्मा कहाँ थी? वह कहीं दिखाई ही नहीं दी।

रामायण केवल एक राजकुमार और राक्षस राजा की लड़ाई नहीं है। यह धर्म, त्याग, करुणा, मर्यादा, कर्तव्य और भक्ति की अमर गाथा है। इसमें रिश्तों की गर्माहट है, इंसानी कमजोरियाँ हैं और सही-गलत के बीच गहरा संघर्ष है। यही बातें इसे हजारों वर्षों से जीवित रखे हुए हैं। लेकिन फिल्म में ये तमाम खूबियाँ कहीं खो जाती हैं, या यूँ कहें कि जानबूझकर रौंद दी गई हैं। पर्दे पर राक्षसों की फौज है, अजीबोगरीब जानवर हैं, विशालकाय पहाड़ हैं और डिजिटल तबाही का मंजर है। सब कुछ है, बस दिल को छूने वाली एक भी बात नहीं है।

तीन घंटे तक राक्षसों और विचित्र जीवों की थकाऊ परेड चलती रहती है। मगर न आँखें नम होती हैं, न दिल में कोई हलचल पैदा होती है। न कोई दृश्य आत्मा को झकझोरता है, न कोई संवाद याद रह जाता है। थिएटर से बाहर निकलते ही फिल्म की ज्यादातर यादें धुंधली पड़ जाती हैं। इतना बड़ा तमाशा और गुनगुनाने के लिए एक धुन तक नहीं!

फिल्म पर हॉलीवुड की फैंटेसी फिल्मों का असर इतना साफ है कि लगता है भारतीय पौराणिक कल्पना अब हॉलीवुड की बैसाखियों के बिना खड़ी ही नहीं हो सकती। 'अवतार', 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' और 'जुरासिक पार्क' की याद बार-बार आती है। हमारे पास अपनी कथाएँ हैं, अपनी परंपराएँ हैं और कल्पना की अनंत दुनिया है। फिर हर महाकाव्य को विदेशी फिल्मों की नकल जैसा दिखाने की यह मजबूरी क्यों?

राक्षसों की बनावट भी पुराने और घिसे-पिटे फॉर्मूले से बाहर नहीं निकलती। पुरुष राक्षस काले, भद्दे और डरावने हैं, जबकि उनकी स्त्रियाँ खूबसूरत और आकर्षक दिखाई गई हैं। आखिर यह कैसी पौराणिक कल्पना है? क्या राक्षसों की दुनिया में भी सुंदरता का ठेका केवल स्त्रियों को मिला हुआ है? यह रचनात्मकता नहीं, हॉलीवुड की सस्ती और घिसी-पिटी सोच है।

विजुअल इफेक्ट्स की तारीफ करनी चाहिए। पर्दे पर भव्यता है, तकनीक का कमाल है और कल्पना की उड़ान भी। लेकिन तकनीक कोई आत्मा नहीं होती। हजार डिजिटल हाथी मिलकर भी एक सच्चा भावनात्मक दृश्य नहीं बना सकते। विशाल युद्धभूमि किसी गहरे नैतिक संघर्ष की जगह नहीं ले सकती। निमार्ताओं ने शायद पर्दे का आकार ही कहानी की गहराई समझ लिया। बड़ा बजट बड़ी तस्वीरें बना सकता है, लेकिन अच्छी फिल्म नहीं।

संगीत की हालत और भी दयनीय है। ए.आर. रहमान और हंस जिमर जैसे दिग्गजों से उम्मीदें बहुत थीं। दोनों का सहयोग अपने आप में बड़ी खबर था। लेकिन फिल्म में ऐसी कोई धुन नहीं सुनाई देती, जिसे दर्शक थिएटर से बाहर निकलकर गुनगुनाएँ। न कोई यादगार भजन, न कोई ऐसी संगीत रचना जो मन में बस जाए। शादी-ब्याह के बैंड वाले भी शायद इसे अपनी सूची में जगह न दें। बैकग्राउंड म्यूजिक दृश्यों के मुताबिक चलता है, लेकिन रामायण का अपना संगीत कहाँ है? वह भावनात्मक तरंग कहाँ है, जो पीढ़ियों तक लोगों के दिलों में गूँजती रहे?

संवादों में भी कोई खास दम नहीं है। न कोई ऐसा वाक्य जो सोचने पर मजबूर करे, न कोई ऐसी पंक्ति जिसे लोग याद रखें। जिस कथा के संवाद सदियों से जनमानस में बसे हैं, उसके लिए इतने फीके और याद न रहने वाले संवाद सिर्फ निराशा ही पैदा करते हैं।

अभिनय के मामले में कुछ राहत जरूर मिलती है। रणबीर कपूर और साई पल्लवी ने राम और सीता के किरदारों को गरिमा और संयम से निभाया है। दोनों ने जरूरत से ज्यादा भावुकता और नाटकीयता से परहेज किया है। लेकिन कमजोर पटकथा उन्हें अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका ही नहीं देती। रावण के रूप में यश प्रभाव छोड़ते हैं। न बेवजह की ऊँची आवाज, न पागलों जैसी हँसी और न ही घिसा-पिटा खलनायकी अंदाज। उनका रावण प्रभावशाली और गरिमामय है।

नितेश तिवारी को इस बात का श्रेय देना होगा कि उन्होंने फिल्म को अनावश्यक भाषणों, जबरन ठूंसे गए गानों और फिजूल के नाच-गाने से बचाया। निर्देशन चुस्त है। सिनेमैटोग्राफी शानदार है और एक्शन के दृश्य मेहनत दिखाते हैं। लेकिन चुस्त निर्देशन भी कमजोर कहानी में जान नहीं डाल सकता। यह साबित करता है कि तकनीक और निर्देशन अकेले किसी फिल्म को महान नहीं बना सकते।

इस पूरी फिल्म की सबसे बड़ी विडंबना यही है। भक्तों को उनकी आस्था और सांस्कृतिक विरासत के नाम पर एक बड़े सिनेमाई अनुभव का सपना दिखाया गया। टिकट खरीदने वाला राम की दुनिया देखने आया था। उसे कंप्यूटर से बनी एक चमकदार, लेकिन खोखली काल्पनिक दुनिया दिखा दी गई। धर्म का विषय चुन लेने से कोई फिल्म धार्मिक नहीं हो जाती। पर्दे पर भगवान और राक्षस दिखा देने से भारतीय आध्यात्मिक विरासत का प्रतिनिधित्व भी नहीं हो जाता।

इसका मतलब यह नहीं कि पौराणिक कथाओं पर प्रयोग नहीं होने चाहिए। सिनेमा को रचनात्मक आजादी मिलनी चाहिए। लेकिन करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी कथा उठाते समय उसकी गहराई समझने की जिम्मेदारी भी बनती है। यहाँ वह जिम्मेदारी पूरी तरह नदारद नजर आती है।

मेरी बेटी मुक्ता का मानना था कि फिल्म कल्पना, तकनीक और रचनात्मक साहस का शानदार संगम है। पद्मिनी अय्यर ने भी सही कहा कि इतने बड़े सपने को हकीकत में बदलने की हिम्मत की सराहना होनी चाहिए। भारतीय सिनेमा को ऐसी महत्वाकांक्षा की जरूरत है। बात सही है। लेकिन महत्वाकांक्षा के साथ समझदारी भी चाहिए। तकनीक कल्पना की मददगार होनी चाहिए, उसकी मालिक नहीं। कहानी कमजोर हो तो करोड़ों की आतिशबाजी भी दर्शकों को ज्यादा देर तक बाँध नहीं सकती।

हम छहों ने शाम का आनंद लिया, लेकिन एक शर्त पर। हमने फिल्म से आध्यात्मिकता और भावनात्मक जुड़ाव की उम्मीद पूरी तरह छोड़ दी। इसे रामायण नहीं, एक बड़े बजट का विजुअल मनोरंजन समझकर देखा। विडंबना देखिए! 'रामायणम' का आनंद लेने के लिए पहले रामायण को ही दिमाग से निकालना पड़ा।

निर्माताओं ने विश्वस्तरीय तकनीक से भव्य दृश्य जरूर रचे हैं। लेकिन यादगार सिनेमा बनाने के लिए सिर्फ मशीनों और पैसों की नहीं, संवेदना और कल्पनाशील कहानी की भी जरूरत होती है। भक्त थिएटर में राम की मर्यादा, सीता की गरिमा और हनुमान की भक्ति देखने आए थे। उन्हें मिला राक्षसों का डिजिटल मेला। आस्था की चाशनी में लिपटा हाईटेक तमाशा!

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

सीता के स्वयंवर में धनुष टूटा था, तब उसकी भयंकर हुंकार

महर्षि वाल्मीकि के रामायण के बालकांड के कई दुर्लभ और अत्यंत गोपनीय अध्यायों में राजा जनक की सभा में हुए उस ऐतिहासिक धनुष यज्ञ से जुड़ा यह पावन और रोमांचक प्रसंग संपूर्ण सृष्टि में भगवान शिव के पिनाक की शक्ति और ब्रह्मांडीय कंपन के उस गुप्त सत्य को उजागर करता है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। जब मिथिला नरेश जनक के दरबार में देश-विदेश से आए बड़े-बड़े वीर और पराक्रमी राजा उस विशाल और भारी पिनाक धनुष को अपनी जगह से हिला तक नहीं पाए, तब गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम सहज ही आगे बढ़े।

भगवान राम ने जैसे ही उस अत्यंत प्राचीन और शक्तिशाली शिवधनुष को अपने एक हाथ से उठाया और प्रत्यंचा चढ़ाने के लिए थोड़ा सा झुकाया, वैसे ही वह भारी धनुष बीच में से दो टुकड़ों में टूट गया।

पिनाक धनुष के टूटने की वह आवाज कोई साधारण आवाज नहीं थी, बल्कि उसकी भयंकर गर्जना और हुंकार से तीनों लोक दहल उठे थे और ऐसा लगा मानो पूरी पृथ्वी का संतुलन बिगड़ गया हो। उस भयानक टंकार की ध्वनि इतनी तीव्र थी कि पाताल लोक की गहराइयों में अनंत नागों के राजा शेषनाग की भी नींद अचानक टूट गई और वे यह सोचने लगे कि ब्रह्मांड में ऐसा कौन सा प्रलयकारी प्रहार हुआ है। शेषनाग ने अपनी हजार फनों पर टिकी इस पृथ्वी के कांपते हुए संतुलन को संभाला और अपने दूतों को यह पता लगाने के लिए भेजा कि भूलोक पर आखिर कौन सी ऐसी शक्ति प्रकट हुई है जिसकी गूंज पाताल तक पहुँच गई है।

उधर जब धरती पर देवताओं ने आकाश से पुष्प वर्षा की और राजा जनक के मन में आनंद की लहर दौड़ गई, तब कुछ ही पलों में उस दिव्य कंपन को महसूस करके भगवान परशुराम भी क्रोधित होकर उस सभा की ओर दौड़े चले आए। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि भगवान शिव और भगवान विष्णु की शक्तियां जब भी आपस में मिलती हैं, तो पूरा ब्रह्मांड उसकी ऊर्जा से कांप उठता है और सत्य की ही हमेशा विजय होती है।

छठ महापर्व– डूबते और उगते सूरज की प्रकृति-साधना, अद्भुत भारतीय दर्शन

डॉ. दीपक गोस्वामी

सूर्य से जीवन, जल से अस्तित्व, प्रकृति से पोषण और कृतज्ञता से संस्कार – छठ इन चारों का जीवंत संगम है। छठ महापर्व भारतीय संस्कृति का ऐसा विलक्षण उदाहरण है, जहाँ आस्था और प्रकृति, अनुशासन और समर्पण, परिवार और समाज तथा परंपरा और पर्यावरण एक ही घाट पर एकत्र हो जाते हैं। यह केवल पूजा नहीं, जीवन के प्रति धन्यवाद व्यक्त करने की सामूहिक साधना है।

छठ की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें डूबते सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है, जितनी श्रद्धा से उगते सूर्य का अभिनंदन किया जाता है। संसार सामान्यतः उगते सूर्य की चमक का उत्सव मनाता है, लेकिन छठ अस्त होते सूर्य के प्रति भी सम्मान प्रकट करता है। यही इसका अनूठा जीवन-दर्शन है—सफलता का अभिनंदन ही नहीं, अवसान का सम्मान भी।

वैदिक दृष्टि : सूर्य जीवन का आधार

ऋग्वेद के प्रथम मंडल के 115वें सूक्त का पहला मंत्र कहता है—

'सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च।'

अर्थात सूर्य समस्त चर और अचर जगत की आत्मा है। यह मंत्र सूर्य के जीवनदायी महत्त्व को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करता है। भारतीय वैदिक परंपरा में सूर्य प्रकाश, ऊर्जा, समय, ऋतुचक्र और जीवन की निरंतरता के प्रतीक हैं। उषा और संध्या दोनों का अपना आध्यात्मिक महत्त्व है। छठ में संध्या और प्रातःकालीन अर्घ्य के माध्यम से इसी प्राकृतिक चक्र के प्रति श्रद्धा व्यक्त होती है।

छठ की वर्तमान लोकपरंपरा को सीधे किसी एक वैदिक मंत्र से उत्पन्न सिद्ध करना उचित नहीं होगा। यह अनेक पीढ़ियों से विकसित लोकविश्वास, सूर्योपासना और कृषि संस्कृति का समृद्ध संगम है।

राम-सीता, कर्ण और द्रौपदी से जुड़ी सूर्योपासना की कथाएँ भी विभिन्न धार्मिक परंपराओं में प्रचलित हैं। इन्हें श्रद्धा और सांस्कृतिक स्मृति के रूप में समझना चाहिए, न कि छठ के ऐतिहासिक प्रारंभ का प्रमाण मान लेना चाहिए।

लोकतंत्र : जहाँ प्रकृति ही पूजा का प्रांगण है

छठ की सुंदरता देखिए। यहाँ महँगे मंदिर, भव्य भवन, बहुमूल्य आभूषण अथवा विशेष धार्मिक प्रदर्शन अनिवार्य नहीं हैं। नदी, तालाब, पोखर, स्वच्छ घाट, बाँस का सूप, फल, गन्ना, नारियल, दीपक और घर में बना ठेकुआ ही इस पर्व की आत्मीय संपदा हैं।

किसान अन्न देता है, कुम्हार मिट्टी के पात्र बनाता है, बाँस का कारीगर सूप और टोकरी तैयार करता है, महिलाएँ प्रसाद बनाती हैं और परिवार तथा पड़ोस के लोग मिलकर घाट सजाते हैं। यह श्रम, सहयोग और स्थानीय अर्थव्यवस्था का जीवंत उदाहरण है।

यहाँ जाति, धन और पद की दीवारें छोटी पड़ जाती हैं। एक ही घाट पर अलग-अलग सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग सूर्य को अर्घ्य देते हैं। पूजा की यह सामूहिकता भारतीय समाज को बराबरी का व्यावहारिक पाठ पढ़ाती है।

चार दिन : तन का अनुशासन, मन का संकल्प

छठ की चार दिवसीय परंपरा में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य आते हैं।

पहले दिन स्नान, स्वच्छता और सात्त्विक भोजन से साधना आरंभ होती है। दूसरे दिन खरना में दिनभर उपवास के बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद परंपरानुसार लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है। तीसरे दिन अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन उगते सूर्य के अभिनंदन के साथ व्रत का पारण होता है। यह क्रम मनुष्य को संयम, धैर्य, स्वच्छता, संकल्प और आत्मनियंत्रण का अभ्यास कराता है।

मनोविज्ञान की दृष्टि से किसी अर्थपूर्ण परंपरा में स्वेच्छा से भाग लेना, सामूहिक सहयोग और संकल्प का पालन करना आत्मविश्वास तथा भावनात्मक जुड़ाव को बल दे सकता है। हालाँकि निर्जला उपवास प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुरक्षित नहीं है। गर्भवती महिलाओं, वृद्धों, बच्चों और रोगग्रस्त व्यक्तियों को स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। श्रद्धा का अर्थ शरीर को संकट में डालना नहीं, जीवन का सम्मान करना भी है।

विज्ञान और स्वास्थ्य : आस्था के साथ विवेक भी

सूर्य पृथ्वी पर ऊर्जा का मूल स्रोत है। सूर्यप्रकाश से पौधों में प्रकाश-संश्लेषण होता है, खाद्य शृंखला चलती है और मानव शरीर में पराबैंगनी-बी किरणों की सहायता से विटामिन डी का निर्माण होता है।

लेकिन यह कहना वैज्ञानिक रूप से सही नहीं कि छठ के समय सूर्य की किरणें पूरी तरह हानिरहित हो जाती हैं, जल में खड़े होने से आँखों की शुद्धि होती है अथवा सूर्य को देखने से त्वचा के रोग समाप्त हो जाते हैं। अत्यधिक पराबैंगनी विकिरण त्वचा और आँखों को नुकसान पहुँचा सकता है। छठ का स्वास्थ्य-संदेश स्वच्छता, मौसमी खाद्य पदार्थों, अनुशासन, शारीरिक सक्रियता और मानसिक संबल में अधिक विश्वसनीय रूप से दिखाई देता है। ठेकुआ, फल, गन्ना, नारियल और सिंघाड़ा स्थानीय खाद्य परंपरा तथा कृषि विविधता का परिचय कराते हैं। गन्ने का रस यकृत को विषमुक्त करने वाली औषधि है, ऐसा दावा भी प्रमाणित नहीं है।

भूगोल से विश्व तक: प्रवासी भारतीयों की सांस्कृतिक पहचान

बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश छठ की प्रमुख सांस्कृतिक भूमि हैं। नेपाल के तराई क्षेत्रों में भी इसकी व्यापक परंपरा है। रोजगार, शिक्षा और आजीविका के लिए देश के विभिन्न नगरों में पहुँचे लोगों ने दिल्ली, मुंबई, सूरत, पुणे, हैदराबाद और अन्य महानगरों में भी इस पर्व को जीवंत रखा है। विदेशों में बसे भारतीय समुदायों के बीच भी इसकी उपस्थिति बढ़ी है।

छठ केवल एक क्षेत्र का त्योहार नहीं रहा; यह प्रवासी परिवारों के लिए अपनी मिट्टी, भाषा, लोकगीत और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े रहने का माध्यम बन गया है।

पर्यावरण : नदी को माता मानने का अर्थ उसकी रक्षा करना

छठ में जलाशय और घाट केवल पूजा के स्थान नहीं, जीवन के आधार हैं। लेकिन केवल घाट साफ कर देने से नदी प्रदूषणमुक्त नहीं हो जाती। प्लास्टिक, रासायनिक पदार्थ, गंदे नाले और अनुपचारित अपशिष्ट का प्रवाह रोकना भी आवश्यक है।

यदि छठ के अवसर पर स्वच्छता का संकल्प पूरे वर्ष निभाया जाए, जैविक सामग्री का उचित प्रबंधन हो और नदियों में गंदगी डालने से बचा जाए तो यह पर्व पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी जनआंदोलन बन सकता है।

वैश्विक पहचान और सांस्कृतिक गौरव

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने सितंबर 2025 में छठ महापर्व को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में सम्मिलित कराने के लिए बहुराष्ट्रीय नामांकन की दिशा में पहल की थी। इसे पहले से यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त घोषित करना सही नहीं होगा। यह पहल स्वयं इस पर्व के सांस्कृतिक महत्त्व को रेखांकित करती है।

अंतिम जन के लिए छठ का संदेश

एक किसान जब डूबते सूर्य को प्रणाम करता है तो वह अपनी मेहनत और प्रकृति के संबंध को याद करता है। एक मजदूर उसमें अपने श्रम की गरिमा देखता है। एक माँ अपने परिवार की मंगलकामना करती है। एक बेटी अपने संस्कारों को आगे बढ़ाती है। एक गरीब व्यक्ति भी उसी सूर्य के सामने खड़ा होता है, जिसके सामने सबसे संपन्न व्यक्ति खड़ा है। यही छठ का वास्तविक लोकतंत्र है—प्रकृति के उपहार पर किसी एक का अधिकार नहीं।

डूबता सूर्य हमें सिखाता है कि पद, प्रतिष्ठा, संपत्ति और सफलता स्थायी नहीं हैं। उगता सूर्य विश्वास दिलाता है कि हर अंधकार के बाद प्रकाश की संभावना रहती है। जीवन में अवसान और आरंभ दोनों का अपना सम्मान है।

छठ हमें केवल सूर्य को अर्घ्य देना नहीं सिखाता, बल्कि उस किसान का सम्मान करना सिखाता है जिसने अन्न उगाया, उस मजदूर का सम्मान करना सिखाता है जिसने घाट बनाया, उस जल का सम्मान करना सिखाता है जिससे जीवन चलता है और उस माँ का सम्मान करना सिखाता है जो अपनी श्रद्धा से परिवार और समाज को जोड़ती है।

छठ केवल सूर्य की उपासना नहीं, जीवन के प्रत्येक उपकार के प्रति कृतज्ञ होने की भारतीय चेतना है। यहाँ डूबते को तिरस्कार नहीं, सम्मान मिलता है और उगते को अहंकार नहीं, अभिनंदन। यही छठ का सनातन संदेश है—प्रकृति का सम्मान करो, श्रम का सम्मान करो, अंतिम जन का सम्मान करो और जीवन के प्रत्येक क्षण के प्रति कृतज्ञ रहो।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 16 नवंबर 2026 सोमवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन कन्या तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव भगवान शिव और चंद्रमा की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवालय में जाकर शिवलिंग पर कच्चा दूध और बेलपत्र अर्पित करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से जीवन के सभी मानसिक संताप दूर होते हैं और अटूट शांति तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में दूध का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। शिव चालीसा का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में सफेद वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।



सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान शिव का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को चावल दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में चांदी की वस्तु अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में केसर का तिलक लगाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। सोमवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। रुद्राष्टक का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान शिव के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर की उत्तर दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां जल से भरा हुआ चांदी या पीतल का कलश स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर सफेद फूलों की वंदनवार सजाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान शिव की कृपा से घर में सकारात्मक ऊर्जा, शीतलता और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

यमुना एक्सप्रेसवे कट पुल पर चलती बस में लगी आग

- 40 यात्रियों में मची चीख-पुकार
- घंटों मशक्कत के बाद दमकल ने पाया आग पर काबू

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



कस्बा राया में शनिवार देर रात यमुना एक्सप्रेसवे कट पुल पर चलती ट्रेवल्स बस में अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस में करीब 40 यात्री सवार थे। आग की लपटें उठती देख यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल विभाग की टीम ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई जबकि यात्रियों का हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब डेढ़ बजे पीआरवी को सूचना मिली कि राया कट पुल के ऊपर एक बस में आग लग गई है। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी महावन संजीव कुमार राय और प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। दमकल विभाग को सूचना देकर अग्निशमन गाड़ियों को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

बताया गया कि बस चालक जितेंद्र पुत्र मोहनलाल निवासी नौगांव जिला छतरपुर मध्य प्रदेश करीब 40 यात्रियों को लेकर दिल्ली के कश्मीरी गेट से छतरपुर जा रहा था। इसी दौरान राया कट पुल के ऊपर बस की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया लेकिन उनका सामान आग में जलकर खाक हो गया। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

जमीन के विवाद में मारपीट, बीच-बचाव करने आईं दो महिलाएं घायल

सैंया। थाना सैंया क्षेत्र के गांव नगला सबदल में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचीं मुकेश पक्ष की दो महिलाएं अनीता और सुनीता घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल महिलाओं को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा।

जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार की है ' गांव नगला सबदल निवासी मुकेश और गजेंद्र के परिवारों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि मुकेश पक्ष के लोग गजेंद्र और राजन सिंह की जमीन पर खुदाई कर रहे थे। इसी दौरान जगेंद्र सिंह ने इसका विरोध किया। विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। मारपीट होते देख मुकेश पक्ष की अनीता और सुनीता बीच-बचाव करने पहुंचीं, तो उनके साथ भी मारपीट कर दी गई, जिससे दोनों महिलाएं घायल हो गईं।

पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दोनों महिलाओं का मेडिकल परीक्षण कराया है । वहीं, पुलिस ने जगेंद्र सिंह और राजन सिंह के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई करते हुए दोनों का चालान किया है।

यमुना शुद्धिकरण को लेकर पत्रकार दीपक सारस्वत ने रखा मौन व्रत, 12 साल के हिसाब पर उठाए सवाल

12 वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर हो रहे खर्च का मांगा हिसाब, गंदे नालों को बंद कराने की उठाई मांग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



धर्म और आस्था की नगरी मथुरा में यमुना की बदहाल स्थिति को लेकर अब पत्रकार भी आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। शनिवार, 14 नवंबर को होली गेट चौराहा पर पत्रकार दीपक सारस्वत ने यमुना शुद्धिकरण और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक दिवसीय मौन व्रत रखा। उन्होंने सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक उपवास रखकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान यमुना की दुर्दशा की ओर आकर्षित किया।

पत्रकार दीपक सारस्वत ने सवाल उठाया कि पिछले 12 वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर लगातार घोषणाएं, योजनाएं और आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन आज भी यमुना में गंदे नाले गिर रहे हैं। आखिर यमुना शुद्धिकरण के नाम पर कितना धन खर्च हुआ और उसका परिणाम कहां दिखाई दे रहा है?

उन्होंने कहा कि मथुरा में पांच विधायक और एक सांसद होने के बावजूद यमुना में गिर रहे गंदे नालों की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। जब यमुना की आवाज उठाने के लिए पत्रकारों को मौन व्रत रखना पड़ रहा है, तो सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधि और समाजसेवी इस गंभीर मुद्दे पर कहां हैं?

मौन व्रत के माध्यम से उन्होंने यमुना में गिर रहे सभी गंदे नालों को तत्काल बंद कराने, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को पूरी क्षमता से संचालित करने, यमुना शुद्धिकरण पर खर्च हुए बजट का हिसाब सार्वजनिक करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई।

जानकारी के अनुसार, शाम 6 बजे मौन व्रत खुलवाने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट के पहुंचने का कार्यक्रम निर्धारित था। दीपक सारस्वत ने ब्रजवासियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, व्यापारियों और पर्यावरण प्रेमियों से भी इस आंदोलन में सहयोग करने की अपील की।

दीपक सारस्वत का कहना है कि यह मौन व्रत केवल उपवास नहीं, बल्कि सत्ता और व्यवस्था से जवाब मांगने का संकल्प है। यमुना बचेगी, तभी ब्रज की पहचान, आस्था और संस्कृति सुरक्षित रहेगी।

साधु-संतों ने आश्रय सदन की बालिकाओं के साथ मनाया बाल दिवस

संस्कार और शिक्षा का दिया संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



वृंदावन नगर के चैतन्य बिहार स्थित महिला आश्रय सदन में शुक्रवार को बाल दिवस के अवसर पर साधु-संतों ने आश्रय सदन में निवास कर रही बालिकाओं के बीच पहुंचकर उनके साथ खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संतों ने बालिकाओं को स्नेह, आशीर्वाद और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए शिक्षा, संस्कार एवं आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में हरिदासीय संप्रदाय के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू एवं महंत मोहिनी बिहारी शरण ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाल्यकाल जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इसी उम्र में बच्चों के व्यक्तित्व, विचारों और भविष्य की नींव तैयार होती है। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के प्रति गंभीर रहने, अपने अंदर आत्मविश्वास विकसित करने और जीवन में आने वाली चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिका में असीम प्रतिभा होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और सही दिशा देने की है। इस दौरान भागवताचार्य अनमोल शास्त्री एवं आचार्य ज्ञानेश गौड़ ने बालिकाओं को श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेशों से परिचित कराते हुए सनातन संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने गीता के माध्यम से जीवन में कर्म, अनुशासन, धैर्य, सदाचार और सकारात्मक सोच के महत्व को समझाया। साथ ही बताया कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और शक्ति का प्रतीक माना गया है। बालिकाओं को अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

संतों ने कहा कि बालिकाओं को केवल संरक्षण ही नहीं, बल्कि बेहतर शिक्षा, संस्कार और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलना भी आवश्यक है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। बाल दिवस जैसे आयोजन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ उन्हें अपनापन और प्रोत्साहन देने का माध्यम बनते हैं।

कार्यक्रम में मथुरा जिले के डीपीओ विकास कुमार, आश्रय सदन की प्रशिक्षिका आशा गौड़, प्रगति खरे, खुशबू, रजनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के साथ उनके जीवन में शिक्षा, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का संचार करना रहा।

धौलपुर में 8 रुपये में मिलेगा भरपेट भोजन

अन्नपूर्णा रसोई संख्या 415 का सभापति ने किया शुभारंभ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।



धौलपुर शहर में गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ता एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुरानी नगर परिषद, गौरव पथ स्थित अन्नपूर्णा रसोई संख्या 415 का शनिवार को पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विधिवत शुभारंभ किया गया। सभापति गिरीश कुमार गर्ग ने फीता काटकर रसोई का लोकार्पण किया।

इस दौरान स्थानीय नागरिकों और वार्डवासियों ने सभापति का स्वागत किया। पूजा-अर्चना के बाद सभापति ने स्वयं लाभार्थियों को भोजन परोसकर रसोई की शुरूआत की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सभापति गिरीश कुमार गर्ग ने कहा कि अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक, दिहाड़ी श्रमिक, विद्यार्थी और जरूरतमंद लोगों को मात्र 8 रुपये में स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। नगर परिषद का संकल्प है कि शहर में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहे। उन्होंने कहा कि भोजन के साथ लोगों को सम्मान और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में नगर परिषद आयुक्त विष्णु परमार , अविनाश गर्ग और वार्ड संख्या 5 के पार्षद प्रतिनिधि पुष्पेंद्र राजावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अधिशासी अधिकारी ने रसोई में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और सुचारु संचालन बनाए रखने के निर्देश दिए।

15 से मनियां में सजेगा दीपावली महोत्सव मेला

- एक महीने तक रहेगी रौनक; प्रवेश रहेगा निःशुल्क,
- सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला गार्ड रहेंगी तैनात, झूले और खरीदारी के लिए लगेंगी दुकानें



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मनियां।

मनियां नगरपालिका क्षेत्र में फूलपुर रोड पर 15 नवंबर से दीपावली महोत्सव मेले का आयोजन होगा। एक महीने तक चलने वाले इस मेले की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेले में बच्चों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के मनोरंजन के साथ खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई जाएंगी। खास बात यह है कि मेले में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

नगरपालिका की देखरेख में आयोजित होने वाले मेले के मुख्य आयोजक प्रकाश सिंह तोमर हैं। नगरपालिका चेयरमैन बृजेश बंसी ने बताया कि मेले से मनियां सहित आसपास के गांवों के लोगों को मनोरंजन का अवसर मिलेगा। साथ ही स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों को कारोबार के जरिए रोजगार एवं आय के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।मुख्य आयोजक प्रकाश सिंह तोमर ने बताया कि मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। पूरे मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, वहीं महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के लिए महिला गार्ड भी लगाई जाएंगी।

मेले में बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए जाएंगे। इनमें ब्रेकडांस झूला और बच्चों के लिए मिक्की माउस झूला प्रमुख आकर्षण रहेंगे। इसके अलावा खाने-पीने की दुकानों के साथ सुई से लेकर घरेलू उपयोग के बड़े सामान तक की दुकानें सजेंगी। इससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को खरीदारी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। एक महीने तक चलने वाला यह मेला क्षेत्रवासियों के लिए मनोरंजन, खरीदारी और स्थानीय कारोबार का प्रमुख केंद्र बनेगा।

निबंध, क्विज, पपेट शो, नुक्कड़ नाटक और फूड प्लाजा ने मोहा मन

सोनई में बाल मेला एवं फ्यूचर वोटर्स मेला, लोकतंत्र के रंग में रंगा विद्यालय परिसर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में बाल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बाल मेला एवं फ्यूचर वोटर्स मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेले में बाल प्रतिभाओं के प्रदर्शन के साथ-साथ मतदाता जागरूकता का संदेश भी प्रभावी ढंग से दिया गया। मेले का शुभारंभ स्वीप कोऑर्डिनेटर मथुरा डॉ. दीनदयाल एवं जनपद ईएलसी कोऑर्डिनेटर मथुरा डॉ. अखिलेश यादव ने किया।

विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता को रोचक एवं रचनात्मक बनाने के लिए निबंध प्रतियोगिता, क्विज, पपेट शो, फूड प्लाजा और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। महापुरुषों के रूप में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा,

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न महापुरुषों का रूप धारण कर प्रस्तुत किया गया (फैशन शो रहा)।

इसके साथ ही विद्यार्थियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। फ्यूचर वोटर्स को लोकतंत्र की प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से मतदान गतिविधि कराई गई तथा मतदान के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जिम्मेदार नागरिकता की शपथ दिलाई गई।

विद्यालय परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों और प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है।

सफल बनाने में शिव शर्मा, पूनम सिंह, दीप्ति वार्ष्णेय, उमेश कुमार, योगेंद्र ठाकुर, मोहित कुमार, कृष्णवीर, गुलाब सिंह एवं राहुल पाठक का विशेष योगदान रहा। विद्यार्थियों में रिहान, नंदिनी, देवेंद्र, प्रवीण, कान्हा, राधा, पूजा एवं अल्जिया ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई।

विद्यालय के इस आयोजन ने बाल प्रतिभा, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और मतदाता जागरूकता को एक मंच पर लाकर विद्यार्थियों को जिम्मेदार एवं जागरूक भविष्य के नागरिक बनने का संदेश दिया।

धौलपुर में चौथे चरण का मतदान शुरू



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।

- 3 पंचायत समितियों की 98 ग्राम पंचायतों में 305 बूथों पर वोटिंग, 1700 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात,
- राजाखेड़ा, बसेड़ी और सरमथुरा में सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान, 2.91 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

धौलपुर जिले में पंचायतीराज चुनाव के चौथे और अंतिम चरण के तहत शनिवार सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया। राजाखेड़ा, बसेड़ी और सरमथुरा पंचायत समिति क्षेत्रों की 98 ग्राम पंचायतों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान शाम 6 बजे तक चलेगा। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही शुरू हो गई।

तीनों पंचायत समिति क्षेत्रों में 101 मतदान केंद्रों पर कुल 305 बूथ बनाए गए हैं, जहां ईवीएम के माध्यम से मतदान कराया जा रहा है। चुनाव में 2.91 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत 1700 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान तैनात किए गए हैं। वहीं 44 जोनल मजिस्ट्रेट मतदान प्रक्रिया पर निगरानी रख रहे हैं। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

राजाखेड़ा में टिकट को लेकर पूर्व जिला प्रमुख ने उठाए सवाल,

राजाखेड़ा पंचायत समिति क्षेत्र में चुनाव के दौरान पूर्व जिला प्रमुख रामवती जाटव का टिकट काटे जाने का मामला भी चर्चा में है। उन्होंने पार्टी की ओर से घोषित प्रत्याशी को बाहरी बताते हुए उसके प्रमाण-पत्र की वैधता पर भी सवाल उठाए हैं। इस संबंध में उनके आरोपों के बीच क्षेत्र में चुनावी चर्चाएं बनी हुई हैं।

16 नवंबर को सरपंच और पंच के लिए मतदान,

जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के मतदान के बाद सोमवार 16 नवंबर को सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान होगा। इस चरण में मतदाता बैलेट पेपर के माध्यम से वोट डालेंगे। इसके लिए भी प्रशासन की ओर से आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

प्राथमिक विद्यालय सिरौलिया में बाल दिवस पर बच्चों ने काटा केक

- खेलकूद एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं में बच्चों ने किया प्रतिभाग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



प्राथमिक विद्यालय सिरौलिया में बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। बच्चों ने सामूहिक रूप से केक काटकर बाल दिवस की खुशियां मनाईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती तथा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। प्रधानाध्यापिका डॉ. जया शर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होने के साथ ही हमारी सबसे अनमोल धरोहर हैं। उनका सर्वांगीण विकास करना, प्रतिभाओं को निखारना तथा उन्हें आनंदमय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि भगवान दास शंखवार ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में असीम संभावनाएं होती हैं। उचित मार्गदर्शन, अच्छे संस्कार और प्रोत्साहन से उन्हें देश का जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सकता है। शशिभूषण ने कहा कि खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ उनमें आत्मविश्वास तथा सहयोग की भावना विकसित करती हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेलकूद एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में बच्चों को मिठाई वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान सुमन प्रताप सिंह, सुनीता यादव, विमलेश, शकुंतला सहित विद्यालय के अन्य लोग उपस्थित रहे।

आगरा कॉलेज के पांच सितारों ने चमकाया नाम, एसकेएस इन्फ्रा में मिला शानदार प्लेसमेंट!

कैंपस प्लेसमेंट में पांच विद्यार्थियों का चयन



टीएनएफ टुडे, आगरा।

- पांच विद्यार्थियों को मिला 3.6 लाख का सालाना पैकेज
- इलेक्ट्रिकल के तीन, सिविल इंजीनियरिंग के दो छात्र चयनित
- ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर मिली नौकरी

आगरा कॉलेज के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के पांच विद्यार्थियों ने कैंपस प्लेसमेंट में शानदार सफलता हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। प्रतिष्ठित कंपनी एसकेएस इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने पांचों विद्यार्थियों का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर किया है। चयनित विद्यार्थियों को 3.6 लाख रुपये वार्षिक (3.6 छढअ) का पैकेज मिलेगा।

कंपनी की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया में विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, विषयगत ज्ञान और व्यावसायिक योग्यता का मूल्यांकन किया गया। इसमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के यशपाल, विक्रम सिंह और आदित्य कुमार ने बाजी मारी, जबकि सिविल इंजीनियरिंग विभाग से मोहित सिंह जादौन और पारस सागर का चयन हुआ।

प्लेसमेंट प्रक्रिया के दौरान कंपनी के प्रतिनिधि योगेश यादव और सौरभ मंगल मौजूद रहे। उन्होंने विभिन्न चरणों में विद्यार्थियों की प्रतिभा और तकनीकी समझ का आकलन कर चयन प्रक्रिया पूरी कराई।

इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी.के. गौतम ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

इस अवसर पर डॉ. यादवेन्द्र शर्मा, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. अमित रावत, डॉ. आर.के. शर्मा, इंजीनियर राहुल जैन, इंजीनियर राहुल अंशुमाली और इंजीनियर हर्षित उपाध्याय ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, नियमित अध्ययन, तकनीकी प्रशिक्षण और संस्थान के प्लेसमेंट सहयोग को दिया।

भारतीय संस्कृति की छटा के बीच मनाया दीपोत्सव, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- बच्चों की प्रतियोगिताओं से लेकर ब्रज महारास, डांडिया और राजस्थानी-गुजराती लोकनृत्यों तक सजी उत्सव की शाम

संस्कार भारती मध्य क्षेत्र की ओर से दीपावली महोत्सव का भव्य आयोजन विजय नगर कॉलोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में किया गया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं से ओतप्रोत इस आयोजन में प्रतियोगिताओं, काव्यपाठ, संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव को यादगार बना दिया। शुभारम्भ शिक्षाविद महेश शर्मा, प्रांतीय महामंत्री नंदनंदन गर्ग, ओम स्वरूप गर्ग एवं बांके लाल और सुभाष अग्रवाल ने दीप प्रवज्जलित कर किया।

कार्यक्रम संयोजक आलोक आर्य ने बताया कि तीन चरणों में आयोजित दीपावली महोत्सव के प्रथम चरण में बच्चों के लिए रंग भरो प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और रामायण पर आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। वहीं महिलाओं के लिए सलाद प्रतियोगिता एवं गिफ्ट पैकिंग प्रतियोगिता हुई । द्वितीय चरण में राजबहादुर सिंह राज के संयोजन में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रस्तुतियां हुई। ध्रुव अग्रवाल ने मनमोहक बांसुरी वादन किया, वहीं गायिका निशिराज ने अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। युवा कवि ईशान देव ने राष्ट्रीय भावनाओं का संचार करते हुए काव्यपाठ किया।

अध्यक्ष दीपक गोयल व उपाध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने बताया कि तीसरे चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने दर्शकों का मन मोह लिया। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पूनम शर्मा के निर्देशन में मयार्दा, रिया दिवाकर, श्वेता सागर ने ब्रज महारास, डांडिया तथा राजस्थानी और गुजराती लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से लोक संस्कृतियों की मनोहारी छटा देखने को मिली। निखिल अग्रवाल, मुकेश गुप्ता और प्रिया गुप्ता ने व्यवस्था संभाली । कार्यक्रम का संचालन सीए विवेक अग्रवाल और ललतेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर चंचल अग्रवाल, नितिन गोयल, नितिन गुप्ता, अंबा प्रसाद गर्ग, ललितेश गुप्ता, पुष्पकीन बंसल, अशोक अग्रवाल, विनोद गुप्ता, अजय तोसनीवाल, राम अवतार यादव आदि मौजूद रहे।

पालीवाल पार्क में टला बड़ा हादसा

चढ़ाई पर अनियंत्रित होकर दीवार से टकराई यात्रियों से भरी निजी बस, मची चीख-पुकार

- मेरठ से सवारियों को लेकर आ रही बस अचानक पीछे की ओर लौटने लगी; हादसे में दो से तीन महिलाओं के घायल होने की सूचना

आगरा। थाना हरीपर्वत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक पालीवाल पार्क में शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मेरठ से यात्रियों को लेकर आ रही एक निजी बस जब पार्क की चढ़ाई पर चढ़ रही थी, तभी वह अचानक अनियंत्रित हो गई और आगे बढ़ने के बजाय तेजी से पीछे की ओर लौटने लगी। चालक ने बस को नियंत्रित करने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन वह बेकाबू होकर सीधे पार्क की दीवार से जा टकराई।

घटना के समय बस में करीब 30 से 35 यात्री सवार थे। अचानक बस के पीछे की तरफ दौड़ने और दीवार से जोरदार टक्कर होने के कारण यात्रियों में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार मच गई। बस के भीतर बैठे लोग सहम गए और अपनी जान बचाने के लिए जल्दी से बाहर निकलने का प्रयास करने लगे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में दो से तीन महिलाओं के घायल होने की सूचना मिली है। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

गनीमत यह रही कि इस दौरान वहां से गुजर रहे राहगीर और अन्य वाहन बाल-बाल बच गए, अन्यथा कोई बड़ा जनहताहत हो सकता था। फिलहाल बस के अचानक पीछे खिसकने के कारणों का अभी पूरी तरह पता नहीं चल सका है, और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शिकायत करने थाने जा रहे पिता-पुत्र को पीटा, मुकदमा दर्ज

शिकोहाबाद। एक दुकानदार के साथ गाली गलौज की और जब उसकी पत्नी और बेटा थाने पर शिकायत करने गये तो दबंगों ने अपने घर के आगे उन्हें रोक लिया और गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। शंभूनगर निवासी गोविंद की पत्नी पथवरी मंदिर पर ब्यूटी पार्लर चला कर परिवार का भरण पोषण कर रही है। उसकी पत्नी सुमन, बेटा तरुणन और वह तीनों लोग थाने पर शिकायत करने जा रहे थे। जब वह तीनों स्कूटी से जा रहे थे तभी कन्हैया, गुलशन, शिवा और सोनू ने अपने घर के सामने स्कूटी रोक कर उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

नारायण दिव्यांग समिति ने मनाया बाल दिवस, चाचा नेहरू को किया नमन



फिरोजाबाद। नारायण दिव्यांग समिति कार्यालय पर बाल दिवस के उपलक्ष्य में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार ने की। उन्होंने चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उन्हें शत-शत नमन किया। महिला अध्यक्ष यमशी ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को प्रयागराज में हुआ था। उन्हें बच्चों से बेहद प्रेम था। बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा, संस्कार एवं अच्छे वातावरण का होना आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव विनोद राठौड़, महानगर संगठन मंत्री राहुल, सचिव राखी प्रजापति, एडवोकेट प्रभात बघेल सहित समिति के पदाधिकारी एवं बच्चे उपस्थित रहे।

चिल्ड्रंस फन फेयर में बच्चों ने मनाया बाल दिवस



फिरोजाबाद। कृष्णा पब्लिक जूनियर हाईस्कूल में चिल्ड्रंस फन फेयर हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। बाल दिवस पर आयोजित मेले में बच्चों के मनोरंजन, खेलकूद और स्वादिष्ट व्यंजनों का ऐसा अनूठा संगम देखने को मिला कि पूरा प्रांगण खुशियों और उल्लास के रंगों से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय डायरेक्टर विनोद कुमार शर्मा ने मेले का फीता काटकर शुभारम्भ किया। मैनेजर आर्चिका अग्रवाल एवं प्रधानाचार्या शालिनी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के गेम स्टॉल लगाए गए थे। बिंदी लगाओ, गेस द वेट, रिंग गेम, स्पिन द व्हील, बॉल एंड कॉइन, चॉपस्टिक गेम सहित अनेक रोचक खेलों ने बच्चों को खूब आकर्षित किया। वहीं स्वादिष्ट व्यंजनों के फूड स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे। मुख्य अतिथि विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल पुस्तकीय शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल, मनोरंजन, रचनात्मकता और सामाजिक सहभागिता भी उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में जिला ओलंपिक संघ के चेयरमैन प्रदीप भारद्वाज, विद्यालय के समस्त कोऑर्डिनेटर्स, शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

कांग्रेस सेवादल के कार्यवाहक जिला मुख्य संगठक बने प्रशांत तिवारी



फिरोजाबाद। कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने प्रशांत तिवारी को कांग्रेस सेवादल फिरोजाबाद का कार्यवाहक जिला मुख्य संगठक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डेय द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुख्य संगठक अनिल देव त्यागी की संस्तुति पर की गई है। प्रशांत तिवारी की नियुक्ति पर कांग्रेस सेवादल के कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अपेक्षाओं और राहुल गांधी की विचारधारा के अनुरूप संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती तथा कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगे। उन्होंने नवनियुक्त कार्यवाहक जिला मुख्य संगठक के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद जताई।

बीज गोदाम के पास खड़े ट्रक में लगी भीषण आग, लपटें देख सहमे लोग

आगरा। शहर के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के अंतर्गत फाउंड्री नगर में बीज गोदाम के पास खड़े एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। अज्ञात कारणों से लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। ट्रक से उठती ऊंची-ऊंची लपटों और धुएं के काले गुबार को देखकर आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल दमकल विभाग को अवगत कराया गया, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर रवाना हुईं। दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए पानी की बौछार कर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी देर की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया, जिससे आसपास की अन्य संपत्तियों तक आग पहुंचने का खतरा टल गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने या गंभीर नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है। फिलहाल पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा ट्रक में आग लगने के असली कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सत्ता के नशे में चूर या राजनीतिक साजिश?

भाजपा पार्षद पर लगे गंभीर आरोपों से गरमाई ताजनगरी की सियासत

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- मेले के झूलों से अवैध वसूली और जान से मारने की धमकी देने के लगाए गए संगीन आरोप

ताजनगरी आगरा में एक भाजपा पार्षद को लेकर छिड़ा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा पार्षद हरिओम गोयल उर्फ बाबा पर मेलों में लगने वाले झूलों और व्यापारियों से लाखों रुपये की अवैध वसूली करने, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने तथा क्षेत्र में दबंगई फैलाने के बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। एक शिकायतकर्ता ने प्रेसवार्ता कर इन कथित करतूतों की परतें खोली हैं और स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी तीखे सवाल खड़े किए हैं।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि आगरा में लगने वाले मेलों में बाहर से आने वाले छोटे-बड़े झूले संचालकों व व्यापारियों से जबरन अवैध वसूली की जाती है और जब इसका विरोध किया गया तो पार्षद द्वारा उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी गईं। आरोप यह भी है कि थाना कमला नगर में लिखित शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने आरोपित का नाम सामने आते ही कार्रवाई से कन्नी काट ली, जिससे व्यापारियों में भारी दहशत का माहौल है। पीड़ित ने भाजपा नेत्री ममता शर्मा से जुड़े विवाद, साइबर क्राइम थाने में दर्ज मुकदमे, और पार्षद व उनके परिजनों के खिलाफ दर्ज पुराने मुकदमों तथा वारंटों का हवाला देते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मामले को लेकर शिकायतकर्ता ने गत 2 अप्रैल को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी और न्याय न मिलने पर इच्छामृत्यु तक की मांग की थी। इसके अलावा पार्षद पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारोबार को संरक्षण देने और बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण कराने वाले बिल्डरों के ठेके लेकर अधिकारियों पर दबाव बनाने जैसे संगीन आरोप भी जड़े गए हैं। बहरहाल, इन तमाम गंभीर आरोपों के बीच अब देखना यह होगा कि उच्च स्तर से इस मामले में क्या संज्ञान लिया जाता है और पुलिस प्रशासन इन दावों पर क्या स्थिति स्पष्ट करता है।

आगरा पुलिस कमिश्नरेट में फेरबदल

आगरा। आगरा पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पूर्व में किए गए उपनिरीक्षकों के तबादलों में संशोधन किया गया है। पुलिस विभाग द्वारा जारी नए आदेशों के अनुसार, 7 उपनिरीक्षकों के पूर्व तबादलों को निरस्त करते हुए उनकी नई तैनाती के आदेश तत्काल प्रभाव से जारी कर दिए गए हैं।

संशोधित सूची के अनुसार उपनिरीक्षक श्याम सुन्दर का चौकी प्रभारी घटिया आजम खा? (थाना हरीपर्वत) से किया गया स्थानांतरण निरस्त कर अब उन्हें चौकी प्रभारी रुनकता (थाना सिकन्दरा) बनाया गया है। इसी प्रकार, उ0नि0 प्रवीन्द्र कुमार का चौकी प्रभारी नेहरू नगर (थाना हरीपर्वत) का ट्रांसफर रद्द कर अब उन्हें चौकी प्रभारी फैक्ट्री एरिया (थाना सिकन्दरा) भेजा गया है। उ0नि0 सचिन उपाध्याय को चौकी प्रभारी फैक्ट्री एरिया (थाना सिकन्दरा) के बजाय अब चौकी प्रभारी नेहरू नगर (थाना हरीपर्वत) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उ0नि0 अखिलेश दीक्षित का चौकी प्रभारी रुनकता (थाना सिकन्दरा) का तबादला निरस्त करते हुए उन्हें चौकी प्रभारी घटिया आजम खां (थाना हरीपर्वत) नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही अन्य फेरबदल में उ0नि0 प्रदीप कुमार का थाना ट्रांस यमुना का स्थानांतरण निरस्त कर उन्हें चौकी प्रभारी बालूगंज (थाना रकाबगंज) भेजा गया है, जबकि उ0नि0 अमित कुमार को चौकी प्रभारी बालूगंज (थाना रकाबगंज) से बदलकर चौकी प्रभारी डिवीजन (थाना नाई की मण्डी) की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा, उ0नि0 राकेश बाबू का चौकी प्रभारी डिवीजन (थाना नाई की मण्डी) से किया गया पूर्व तबादला निरस्त कर अब उन्हें सीधे थाना छत्ता में नई तैनाती दी गई है। सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे नई कार्यस्थलों पर पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण करें।

जहां विरोध हो, वहां जाने से बचना चाहिए, कटु वचनों का घाव कभी नहीं भरता-प्रणवपुरी महाराज



फिरोजाबाद। श्रीमद्भागवत कथा के दौरान प्रणवपुरी महाराज ने भगवान शिव और माता सती के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि जहां विरोध हो, वहां कभी नहीं जाना चाहिए। जब माता सती ने अपने पिता दक्ष प्रजापति के यज्ञ में जाने की इच्छा भगवान शंकर के सामने रखी तो भोलेनाथ ने उन्हें समझाया कि अपने स्वजन यदि विरोधी बन जाएं तो उनका व्यवहार अधिक कष्ट पहुंचाता है। ऐसे लोगों से भेंट करने से बचना चाहिए, क्योंकि शस्त्र का घाव कुछ समय बाद भर जाता है, लेकिन कटु वचनों से मिला घाव कभी नहीं भरता।

फिरोजाबाद क्लब में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में महाकालेश्वर पीठाधीश्वर उज्जैन प्रणवपुरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव की बात न मानकर माता सती अपने पिता के यज्ञ में पहुंच गईं। वहां भगवान शिव का भाग न रखे जाने और उनका अपमान होने पर माता सती अत्यंत दुखी और क्रोधित हुईं। उन्होंने दक्ष सहित उपस्थित लोगों को फटकार लगाई और योग अग्नि में अपने शरीर का त्याग कर दिया। इसके बाद माता सती ने हिमालय के घर माता पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लिया और भगवान शंकर से उनका पुनः विवाह हुआ। ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि समाज उगते हुए सूर्य को नमस्कार करता है। जब बालक ध्रुव को उनकी सौतेली माता सुरुचि ने अपमानित कर भगा दिया। तक ध्रुव ने भगवान की तपस्या कर फल प्राप्त किया। प्रजा, सेना और माता सुरुचि भी राजा उत्तानपाद के साथ ध्रुव के स्वागत के लिए पहुंचीं। इस प्रसंग से सीख मिलती है कि सफलता और सामर्थ्य प्राप्त होने पर दुनिया का व्यवहार भी बदल जाता है। श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति, सत्कर्म तथा सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

केसीसी की रकम जमा करने को लेकर विवाद, सात पर मुकदमा दर्ज

शिकोहाबाद। केसीसी की निकाली गई रकम को जमा करने को लेकर परिवार में विवाद हो गया। इस दौरान पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सात लोगों पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नगला खंगर के गांव नगला केशरी निवासी बबली देवी ने थाने में तहरीर दी है। जिसमें उसने कहा है कि आठ नवंबर को उसके जेठ पप्पू और उनके लड़के पूरन सिंह, रजनीश, गोलू उर्फ जितेन्द्र, पुत्री सपना, राखी, और पत्नी कमलेश उसके घर आए और उसके जेठ ने अपनी पुत्री राखी की शादी के लिए वर्ष 2019 में 80 हजार रुपये केसीसी के जमा करने के लिए उसके ससुर छोटेलाल पर दवाब बनाने लगे। उन्होंने कहा कि रुपया तुमने अपनी बेटी के विवाह में खर्च किया है तो जमा भी तुम करो। इसी बात को लेकर उसके जेठ पप्पू, पत्नी कमलेश और बेटा व बेटियों ने उसके ससुर के साथ लाठी डंडों व ईंट पत्थरों से हमला कर दिया।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 839 वाहनों के चालान

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।



- ओवरस्पीड, स्टंटबाजी और ई-रिक्शा में अधिक सवारी बैठाने वालों पर हुई कार्रवाई

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने शनिवार को नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। एसएसपी आदित्य लांग्हे के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 839 वाहनों के चालान कर जुमार्ना अधिरोपित किया गया।

अभियान के दौरान ऑटो एवं ई-रिक्शा सहित अन्य वाहनों की जांच की गई। निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने, ई-रिक्शा में साउंड स्पीकर लगाकर संचालित करने, ओवरस्पीड तथा स्टंटबाजी कर तेज गति से बाइक चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस के अनुसार ऑटो एवं ई-रिक्शा के विरुद्ध 48, क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वाले ऑटो के 50, साउंड स्पीकर लगाकर चलाए जा रहे ई-रिक्शा के 43, ओवरस्पीड के 58 तथा स्टंट एवं तेज गति से बाइक चलाने वालों के सात चालान किए गए। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 633 वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। इस प्रकार कुल 839 चालान किए गए। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा ऑटो एवं ई-रिक्शा में क्षमता के अनुसार ही सवारियां बैठाएं।

शीतगृहों से आलू निकासी और बुवाई को लेकर प्रशासन अलर्ट

भण्डारण हटाने की अंतिम तिथि 30 नवंबर तय

आगरा। जनपद आगरा के समस्त आलू उत्पादक कृषक भाइयों और निजी शीतगृह स्वामियों को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में आलू फसल की बुवाई का अंतिम समय चल रहा है, जिसके मद्देनजर शासन द्वारा निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू एवं आलू बीज की निकासी की अंतिम तिथि 30 नवंबर, 2027 निर्धारित की गई है। प्रशासन ने सभी कृषकों और शीतगृह स्वामियों से अपेक्षा की है कि वे निकासी की गति को बढ़ाते हुए निर्धारित तिथि तक शत-प्रतिशत आलू की निकासी सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश कोल्ड स्टोरेज विनियमन अधिनियम 1976 एवं इसके शासनादेश के अनुसार शीतगृहों में आलू भण्डारण की अवधि 15 फरवरी से 30 नवंबर तक निर्धारित होती है। नियमों के तहत भण्डारण अवधि समाप्त होने के 15 दिन पूर्व शीतगृह स्वामी द्वारा भण्डारणकर्ता को नोटिस दिया जाना अनिवार्य है, तथा निर्धारित अवधि के बाद भी आलू न निकाले जाने की स्थिति में भण्डारण या निकासी का मामला परस्पर द्विपक्षीय माना जाएगा, जो उक्त अधिनियम के दायरे से बाहर होगा। इसके अतिरिक्त, उद्यान विभाग के अंतर्गत संचालित निजी शीतगृहों में भण्डारण प्रभार पर अनुदान योजना का लाभ उठाने के लिए कृषक भाई 30 नवंबर 2026 तक आधिकारिक पोर्टल https://potato.uphorticulture.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, फोटोग्राफ, आमद रसीद, गेट पास, भण्डारण प्रभार रसीद और मोबाइल नंबर जैसे दस्तावेज आवश्यक हैं।



कांग्रेसियों ने मनाई पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती

फिरोजाबाद। जिला कांग्रेस कार्यालय पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कहा कि पंडित नेहरू ने देश की आजादी की लड़ाई में प्रमुख भूमिका निभाई और स्वतंत्रता के बाद प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में देश के नवनिर्माण की मजबूत नींव रखी। उन्होंने गांव-गांव तक विद्यालयों की स्थापना, आईआईटी, एम्स, बांधों और अन्य विकास परियोजनाओं के माध्यम से देश को प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ाने का काम किया। अंग्रेजों ने जिस देश को लूटकर खोखला कर दिया था, उसे नेहरू जी ने अपने खून-पसीने, तन-मन और धन से सींचने का काम किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके योगदान को देश कभी भुला नहीं सकता और संपूर्ण राष्ट्र को चाचा नेहरू पर गर्व रहेगा। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने नेहरू के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में राजवीर सिंह यादव, जितेंद्र तिवारी, शैलेंद्र शुक्ला, धर्मेंद्र यादव, अनिल यादव, शांति दास शंखवार, योगेश कुमार बिट्टू, मोहम्मद शाहनवाज, अंकित लहरी, राजेंद्र कुमार वशिष्ठ, रिजवान गाजी, उमर फारूक, संजू शंखवार, रामप्रसाद वर्मा सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।



आज का युवा ठहरता नहीं है, वह लगातार आगे बढ़ते रहना चाहता है। ऐसे में कॉलेज या ट्रेनिंग पूरी होते ही वह जॉब की तलाश करने लगता है। बेहद कम उम्र में सफलता का परचम फहराने वाले इन प्रोफेशनल्स को कई बार असफलता का स्वाद चखने के साथ ही वर्कप्लेस पर तमाम प्रकार की चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

पहली जॉब में इस तरह बना सकते हैं अपनी खास जगह

जहां एक ओर अनुभवी लोग महत्वपूर्ण पदों पर होते हुए अहम जिम्मेदारियां संभालते हैं, वहीं इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि नई पीढ़ी के कर्मचारी उनके हर काम में बराबर की मदद करते हैं। आज का युवा ठहरता नहीं है, वह लगातार आगे बढ़ते रहना चाहता है। ऐसे में कॉलेज या ट्रेनिंग पूरी होते ही वह जॉब की तलाश करने लगता है। बेहद कम उम्र में सफलता का परचम फहराने वाले इन प्रोफेशनल्स को कई बार असफलता का स्वाद चखने के साथ ही वर्कप्लेस पर तमाम प्रकार की चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि वे खुद को बेहद मजबूत बनाने के बाद ही प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखें।

युवा हैं पहली पसंद

प्लेसमेंट ड्राइव के जरिए कई कंपनियां कॉलेज के युवाओं को अपने यहां नियुक्त करती हैं। इसका कारण होता है नई पीढ़ी के लोगों की ऊर्जा, रचनात्मकता और सोचने-समझने का नया तरीका। वे किसी भी तरह के प्रयोगों से नहीं घबराते हैं और उन्हें ट्रेन करना भी काफी आसान होता है। उनका दिमाग बिल्कुल ताजा होने के कारण कंपनियां उन्हें अपने अनुसार बहुत जल्द ढाल लेती हैं। इसके अलावा, उनके पास घर-परिवार की जिम्मेदरियां अमूमन उतनी नहीं होती हैं, जितनी दूसरों के पास होती हैं। युवा प्रोफेशनल्स में सीखने का जज्बा भी होता है, जिसके बलबूते वे हर नई तकनीक और काम को बहुत जल्द समझ लेते हैं। इसका फायदा यह होता है कि अगर कोई काम करने में सीनियर्स असहज महसूस कर रहे हों, उसकी जिम्मेदारी जूनियर्स के हाथों में दे दी जाती है। ऐसा होने से वे काम व कंपनी के प्रति और निष्ठावान हो जाते हैं। फिर भी आगे बढ़ने के लिए उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना ही पड़ता है।

मजबूत हों इरादे

उम्र या अनुभव कम होने से आपके इरादों में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। अगर आप ठान लेंगे कि आपको कुछ कर दिखाना है, तो लोगों का विश्वास भी बहुत जल्द पा लेंगे।

- अपने बहुमूल्य समय का भरपूर फायदा उठाएं। उसे बर्बाद करने के बजाए नया सीखने और संपर्क बनाने में लगाएं। इससे आपको न सिर्फ अपने आज में फायदा मिलेगा, बल्कि आपका कल भी बहुत बेहतर बन सकेगा।
- जहां भी कुछ समझ न आ रहा हो, तो सीनियर्स से उसे बारे में पूछने से न घबराएं। अपनी ईगो को अलग रखकर लोगों से संवाद कायम करें। यह भी ध्यान रखें कि कई मामलों में पहल आपको ही करनी पड़ सकती है। अगर सीनियर्स को लगेगा कि आपमें सीखने की ललक है, तभी वे आपको कुछ सिखाने या समझाने में रुचि लेंगे।
- हारने से कभी न घबराएं। सीढ़ी-दर-सीढ़ी चढ़ने से ही सफलता मिलती है। ऐसे में कई बार आप लड़खड़ा भी सकते हैं, पर संभल जाने में ही भलाई होती है। सब कुछ तुरंत हासिल नहीं हो जाता है, किसी जीत या तारीफ के लिए थोड़ा समय जरूर लगता है।
- हर नया सॉफ्टवेयर या तकनीक सीखें, जो आपके काम के लिए जरूरी हो। इससे आप नई टेक्नोलॉजी से अपडेट रह सकेंगे, जोकि बेहद जरूरी है।
- शुरूआत में सैलरी कम होने पर किसी को कोसने के बजाए मनी मैनेजमेंट की आदत डालें। इससे आपको कहीं भी रहने-खाने की दिक्कत नहीं आएगी। बहुत ज्यादा कंजूसी न करें, पर सही बजट बनाकर चलना बहुत जरूरी होता है।
- किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें। जोश में इतना ज्यादा काम भी न ले लें कि उसे समय से पूरा न किया जा सके। हर दिन का एक टाइमटेबल और टारगेट निर्धारित करने से आपको काफी आसानी रहेगी।
- कभी भी शॉर्टकट न अपनाएं। सफलता के लिए हमेशा सही रास्ते पर ही कदम बढ़ाएं। बात-बात पर स्कूल-कॉलेज की तरह बहाने बनाने से बचें।
- अपनी क्षमताओं को पहचानें और उसी हिसाब से काम करें। जब आप इंडस्ट्री में नए होते हैं, तो आपसे उम्मीदें भी बहुत लगाई जाती हैं। उन पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करें।
- जहां भी काम कर रहे हों, वहां की नीतियों के बारे में अच्छे से जान लें, मसलन वहां की कार्यप्रणाली, आने-जाने का समय, अपने अधिकार आदि। हर जगह अच्छे और बुरे, दोनों ही तरह के लोग होते हैं। अगर ऑफिस के किसी व्यक्ति से आपको कोई समस्या हो, तो उसके बारे में किसी विश्वसनीय सीनियर से बात जरूर करें। अपने नैतिक आदर्शों से कभी समझौता न करें।





इन स्कॉलरशिप के लिए जरूर करें अप्लाई

केंद्र सरकार और अलग-अलग राज्यों की सरकार 12वीं के बाद कई तरह की स्कॉलरशिप स्कीम चलाती है। इन स्कॉलरशिप की मदद से छात्र आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी सिंपल ग्रेजुएशन से लेकर विदेशों में पढ़ने का सपना भी पूरा कर सकते हैं।

आज भी हमारे देश में करोड़ों परिवार गरीबी रेखा के नीचे रह रहे हैं। जिसके कारण इन परिवार से आने वाले छात्रों के भविष्य में उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। ऐसे ही छात्रों की मदद के लिए सरकार कई तरह की स्कॉलरशिप देती है।

किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना

इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य साइंस के क्षेत्र में छात्रों को बेहतर करियर देने का है। इसमें हायर स्टडी से लेकर रिसर्च प्रोग्राम तक के लिए स्कॉलरशिप प्रोवाइड की जाती है। साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में फेलोशिप के जरिए छात्रों को प्रोत्साहन दिया जाता है। इस स्कॉलरशिप के लिए एक परीक्षा देनी होती है जो छात्र इस परीक्षा को पास करते हैं उन्हें सरकार की ओर से अनुदान दिया जाता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की ओर से यह परीक्षा आयोजित की जाती है इस में बैठने के लिए उम्मीदवारों को 75% अंक के साथ पास होना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री स्कॉलरशिप स्कीम

इस स्कॉलरशिप स्कीम का फायदा वे छात्र उठा सकते हैं जिनके माता-पिता आर्मी, नेवी या एयर फोर्स से जुड़े हैं। जो छात्र 12वीं में 75 प्रतिशत मार्क्स लाते हैं, उन छात्रों को 10 महीने तक 10 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। वहीं जो छात्र किसी भी तरह का व्यवसायिक पाठ्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें 4-5 वर्ष के लिए हर महीने 2000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। लेकिन इस स्थिति में उन छात्रों के हर विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। अगर आप इस स्कॉलरशिप स्कीम के लिए अप्लाई कर रहे हैं तो आपकी उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह योजना मुख्य रूप से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए है।

प्रगति स्कॉलरशिप स्कीम

प्रगति स्कॉलरशिप स्कीम मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की ओर से दिया जाता है। 12वीं के बाद 5000 लड़कियों को यह स्कॉलरशिप दी जाती है। इस स्कॉलरशिप में 2000 डिग्री है, जबकि 2000 लड़कियां डिप्लोमा के क्षेत्र की होती है, वहीं 1000 स्कॉलरशिप दिव्यांग छात्रों के लिए रिजर्व होती है। इस में सिलेक्ट होने वाली छात्राओं को सालाना 50,000 रुपये की स्कॉलरशिप के साथ अन्य लाभ मिलते हैं।

सेंट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप

यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले मेधावी छात्रों को हर साल यह स्कॉलरशिप दी जाती है। यह स्कॉलरशिप हर साल सेलेक्ट किए गए 82000 छात्रों को दिया जाता है। जिसमें 41,000 लड़के और 41,000 लड़कियां होती है। इस स्कॉलरशिप से 80 परसेंटाइल से पास होने वाले लड़के लड़कियों को फायदा मिलता है। ये स्कॉलरशिप का उद्देश्य पढ़ाई के दौरान होशियार छात्रों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मदद करना है। स्कॉलरशिप के तहत ग्रेजुएशन के दौरान शुरुआती 3 सालों में हर साल 10,000 रुपऐ और पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान 20 हजार रुपऐ हर साल दिए जाते हैं।

शिंडलर इग्निशन माइंड्स स्कॉलरशिप

ग्रामीण क्षेत्र व पिछड़े वर्गों से आने वाले छात्रों के लिए शिंडलर इग्निडिंग माइंड्स स्कॉलरशिप काफी अच्छी है। यह स्कॉलरशिप विशेष रूप से कक्षा 12वीं पास छात्रों के लिए है, जो सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। शिंडलर स्कॉलरशिप का प्राथमिक उद्देश्य मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। हर साल, लगभग 75 छात्रों को इस स्कॉलरशिप से सम्मानित किया जाता है। शिंडलर इग्निशन माइंड्स स्कॉलरशिप में वह छात्र अप्लाई कर सकते हैं, जिन्होंने न्यूनतम 65 प्रतिशत एग्रीगेट के साथ साइंस स्ट्रीम में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण की है। छात्र की फैमिली इनकम 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।





कोर्स ऐसे जो रोज़गार दिलाएं

अगर आप आईटीआई कोर्स कर रहे हैं या करने जा रहे हैं, तो आपके मन में भी एक सवाल निश्चित रूप से घूम रहा होगा कि आईटीआई करने के बाद हमें किस तरह की जॉब मिलेगी या फिर किस तरह का कोर्स कर सकते हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको करियर के बारे में पूरी जानकारी देंगे।

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के एडल्ट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने यहां तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं। इनमें दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की ज़रूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यों को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन

यह कोर्स स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्कर्रों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।

दाखिले की प्रक्रिया

कोर्स में आवेदन 12वीं पास कोई भी छात्र कर सकता है। आवेदन के बाद छात्रों का साक्षात्कार लिया जाता है। इसके बाद मेरिट लिस्ट तैयार होती है। मेरिट लिस्ट में 80 प्रतिशत एकेडमिक प्रदर्शन और 20 प्रतिशत साक्षात्कार का होता है। इसके बाद तय सीटों के मुताबिक लिस्ट तैयार की जाती है।



आईटीआई के बाद करियर ऑप्शन

जानें आईटीआई डिप्लोमा

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पॉलिटेक्निक की तरह ही एक संस्थान है जहां पर आप किसी विषय से संबंधित डिप्लोमा प्राप्त कर सकते हैं। आईटीआई में 6 महीने से लेकर 2 साल तक के ही डिप्लोमा होते हैं। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता कम से कम 10वीं कक्षा तक होनी चाहिए। इस कोर्स की सर्व-प्रियता का मुख्य कारण इंजीनियरिंग या गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में इसके द्वारा डिजाइन स्किल डेवेलपमेंट से जुड़े सिलेबस तथा कोर्सेज पर विशेष रूप से ध्यान देना है। अगर आप आईटीआई करने के बाद में आगे पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप आईटीआई के बाद पॉलिटेक्निक कर सकते हैं।

आईटीआई के बाद करियर विकल्प

आईटीआई के बाद डिप्लोमा धारक चाहे तो हायर स्टडीज करके बेहतर करियर बना सकते है ये फिर किसी सरकारी या प्राइवेट सेक्टर में जॉब कर सकते हैं।

डिप्लोमा कोर्स

आईटीआई के बाद डिप्लोमा कोर्स उन छात्रों के लिए जिन्होंने टेक्निकल बिजनेस या इंजीनियरिंग डोमेन में आईटीआई प्रशिक्षण लिया है, उनके लिए कई इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध हैं। आईटीआई कोर्स से उलट डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम डोमेन में विषय के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों ही पहलुओं के विवरण पर जोर दिया जाता है।

ऑल इंडिया ट्रेड टेस्ट

आईटीआई पास छात्रों के लिए ऑल इंडिया ट्रेड टेस्ट एक बेहतर विकल्प है। इसका आयोजन एनसीवीटी द्वारा किया जाता है। यह परीक्षा एक तरह का स्किल टेस्ट है जो आईटीआई छात्रों को सर्टिफाइड करता है। एआईटीटी पास करने के बाद, छात्रों को एनसीवीटी द्वारा संबंधित व्यापार में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र (एनटीसी) से सम्मानित किया जाता है और इसका सर्टिफिकेट बहुत सारे इंजीनियरिंग ट्रेड्स में एनटीसी डिप्लोमा, डिग्री के बराबर है।

आईटीआई के बाद एंटरप्रेन्योरशिप

आईटीआई के बाद छात्र एंटरप्रेन्योरशिप कर सकते हैं। यह एक दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली है, जिसमें छात्रों को औद्योगिक पर्यवेक्षण के अंतर्गत ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी) और कक्षा संबंधित निर्देश दोनों का नॉलेज दिया जाता है। एंटरप्रेन्योरशिप 1 या 15 साल की कुशलता और योग्यता की ट्रेनिंग होती है। इससे आपको उसी आर्गेनाइजेशन में स्थाई नौकरी भी मिल सकती है।

स्पेशलाइज्ड शॉर्ट टर्म कोर्सेज

आईटीआई छात्रों के लिए कुछ संस्थान एटीआई जैसे विशेष शॉर्ट टर्म कोर्सेज प्रदान करती है। ये कोर्स छात्रों को अपने स्किल को और अधिक बढ़ाने में मदद करते हैं, इससे संबंधित डोमेन में अपने नौकरी प्रोफाइल या उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और उसके बाद जॉब मिलने में आसानी हो जाती है।



सार्वजनिक क्षेत्रों में नौकरी

आईटीआई छात्रों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र या सरकारी एजेंसी में करियर बनाने का शानदार विकल्प होता है। जिन छात्रों ने आईटीआई की प्रशिक्षण किया है वे रेलवे, टेलीकॉम/बीएसएनएल, राज्य-वार पीडब्ल्यूडी जैसी विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में रोजगार तलाश सकते हैं, जबकि सरकारी क्षेत्र में वे भारतीय सशस्त्र बलों यानी भारतीय सेना जैसे भारतीय नौसेना, वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और अन्य अर्धसैनिक बल इत्यादि में नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में नौकरियां

आईटीआई छात्रों को निजी क्षेत्र भी रोजगार के ढेर सारे अवसर मिलते हैं। निजी क्षेत्रों के तहत मुख्य क्षेत्र जहां आईटीआई के छात्र को ज्यादा हायर किया जाता है, उनमें कंस्ट्रक्शन, एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल्स, एनर्जी और कुछ निर्दिष्ट जॉब प्रोफाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, वेल्डिंग रेफ्रिजरेशन और एयर-कंडीशनर मैकेनिक शामिल हैं।

स्वरोजगार

इन छात्रों के लिए स्वरोजगार शायद सबसे बेहतर विकल्प है। क्योंकि आईटीआई में व्यावहारिक प्रशिक्षण छात्रों को अपना व्यवसाय शुरू करने या स्वरोजगार प्राप्त करने की गुणों को भी प्रशिक्षित करती है। स्वरोजगार अन्य नियोक्ताओं के लिए काम करने के बजाय हमारे स्वयं के लिए काम करने की अवस्था है।

विदेश में नौकरियां

आईटीआई करने वाले छात्र विदेश में भी अपना शानदार करियर बना सकते हैं। विदेशों में ब्लू-कॉलर पेशेवरों की कमी है, जो लोग कई विकसित और विकासशील देशों में चीजों को ठीक कर सकते हैं या संबंधित सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। कुछ विशेष ट्रेड्स फ्रिटर्स आदि के लिए अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस कारखानों तथा शिपयार्ड इत्यादि में नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं।

भारत ने नौवां अंडर-19 एशिया कप खिताब जीता



एजेंसी, अल अमेरात।

भारतीय टीम ने शनिवार को इतिहास रचते हुए एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार यह ट्रॉफी जीती। 338 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की। एक समय 252 रन पर आठ विकेट गंवाकर हार की कगार पर खड़ी भारतीय टीम को मनल चौहान और मोहित उल्वा ने यादगार जीत दिलाई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 337 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 49.6 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

मनल और मोहित ने पाकिस्तान के जबड़े से कैसे छीनी जीत?

338 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने शानदार शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में नौ चौके शामिल रहे। दूसरे छोर पर कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 101 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 80 रन बनाए। हालांकि, दोनों सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई।

वीके विनीत 24 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अर्जुन राजपूत 16 और यशवर्धन चौहान नौ रन ही बना सके। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ ने 12 गेंदों में 19 रन बनाए। आर्यन सावसानी नौ रन और काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस तरह भारतीय टीम ने 252 रन के स्कोर पर आठ विकेट गंवा दिए और पाकिस्तान की जीत लगभग तय नजर आने लगी। लेकिन नौवें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने मुकाबले की तस्वीर बदल दी।

दोनों बल्लेबाजों ने सिर्फ 35 गेंदों में 57 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। मनाल ने 32 गेंदों में 47 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह 48वें ओवर में आउट हो गए, लेकिन दूसरे छोर पर मोहित डटे रहे। मोहित उल्वा ने 26 गेंदों में नाबाद 49 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर जीत के लिए तीन रन की जरूरत थी। मोहित ने शानदार चौका जड़कर भारत को एक विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी।

उस्मान खान के शतक से पाकिस्तान ने बनाए 337 रन

इससे पहले टॉस के बाद बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने भारतीय गेंदबाजों के सामने 338 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज हयाम खान और उस्मान खान ने पहले विकेट के लिए 8.1 ओवर में 62 रन जोड़े। हयाम 23 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद उस्मान खान ने अब्दुल कादिर के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा दीं। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 135 रन की शानदार साझेदारी हुई। उस्मान खान ने 111 गेंदों में 107 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अब्दुल कादिर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 54 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और आठ छक्के शामिल रहे। कप्तान फरहान यूसुफ ने भी शानदार योगदान दिया। उन्होंने 63 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके अलावा अहमद हुसैन ने 17 और विकेटकीपर हमजा जहूर ने 10 रन बनाए।

आखिरी छह ओवर में भारतीय गेंदबाजों की शानदार वापसी

एक समय पाकिस्तान की टीम चार विकेट पर 299 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी। हालांकि, आखिरी छह ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की और पाकिस्तान के पांच विकेट चटका दिए। इस दौरान पाकिस्तान की टीम केवल 37 रन ही जोड़ सकी और 50 ओवर में उसका स्कोर 337/9 तक पहुंचा। भारत की ओर से काव्या पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 10 ओवर में 68 रन देकर चार विकेट हासिल किए। चिगुरुपति वेंकट ने 40 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि अर्जुन राजपूत को एक सफलता मिली।

भारत ने नौवीं बार जीता अंडर-19 एशिया कप

भारतीय टीम की इस जीत को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। एक समय मुकाबले में पूरी तरह पिछड़ने के बावजूद युवा खिलाड़ियों ने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया और पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबला अपने नाम कर लिया। मनल चौहान और मोहित उल्वा की शानदार बल्लेबाजी ने भारत को रिकॉर्ड नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का चैंपियन बना दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने एक बार फिर एशियाई अंडर-19 क्रिकेट में अपनी बादशाहत साबित की।

ग्रुप स्टेज की हार का लिया बदला

इस जीत के साथ भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान के हाथों मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। फाइनल में पाकिस्तान को हराकर भारत ने एक बार फिर अंडर-19 क्रिकेट में अपनी बादशाहत साबित की। भारत का यह नौवां अंडर-19 एशिया कप खिताब है। आखिरी गेंद पर मिली इस रोमांचक जीत ने टूर्नामेंट के फाइनल को यादगार बना दिया।

फिर बदलेगी भारत की प्लेइंग-11: कुलदीप को पांचवें वनडे में मिल सकता है मौका



एजेंसी, माउंट मोंगानुई।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला रविवार को बे ओवल के मैदान पर खेला जाएगा। चौथे वनडे में मिली 244 रनों की करारी हार को भुलाकर भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, न्यूजीलैंड चौथे वनडे में किए गए अपने प्रदर्शन को आखिरी मैच में भी दोहराना चाहेगी। पांच मैचों की वनडे सीरीज में फिलहाल भारतीय टीम 2-1 से आगे है। भारत के पास जहां सीरीज अपने नाम करने का मौका है, तो वहीं न्यूजीलैंड की नजरें बराबरी पर होंगी।

टीम में हुआ बदलाव

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पांचवें वनडे से पहले टीम में बदलाव किया। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में शामिल किया गया जिससे वह पांचवें वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। ऐसे में यह तय है कि पांचवें मैच के लिए भारत की प्लेइंग-11 में बदलाव होगा। भारत ने वनडे सीरीज में अब तक 14 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया है। शुभमन गिल, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी के नहीं होने से भारत के पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को मौका देना होगा।

कैसी हो सकती है पिच?

बे ओवल मैदान की पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद रहती है। खासतौर पर शुरूआती ओवरों में गेंद काफी लहराती है। हालांकि, क्रीज पर सेट होने के बाद बल्लेबाजों ने भी चौथे वनडे में आसानी से रन बटोरे थे। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, माउंट मोंगानुई में रविवार को बादल छाए रहने की उम्मीद है, जिसके चलते तेज गेंदबाजों को अच्छी मदद मिल सकती है। मगर बारिश होने की आशंका लगभग न के बराबर है।

कुलदीप होंगे शामिल

सीरीज का अपना पहला मुकाबला खेलने उतरे कुलदीप यादव के खिलाफ विल यंग ने जमकर रन बनाए थे। इस दौरे पर अब तक बहुत कम मैच खेलने का मौका पाने वाले कुलदीप अगर अगले मुकाबले में उतरते हैं तो वह अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। टेस्ट टीम से रिलीज किए गए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे का समापन यादगार प्रदर्शन के साथ करना चाहेंगे। इस बात की संभावना अधिक है कि कुलदीप को इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। दूसरी ओर, बराड़ के नहीं होने से मोहम्मद सिराज के लिए प्लेइंग-11 के दरवाजे खुल गए हैं। वह इस दौरे पर अपना पहला मैच खेलने उतर सकते हैं।

बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की कितनी उम्मीद?

विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, जबकि ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और अक्षर पटेल भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। ऐसे में पांचवें वनडे में भारतीय टीम अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। गिल की जगह रोहित के साथ गायकवाड़ पारी की शुरूआत करने उतरे थे। भारत यही बल्लेबाजी क्रम जारी रखेगा।

न्यूजीलैंड टीम की स्थिति

न्यूजीलैंड के लिए ये मैच करो या मरो की तरह है। टी20 सीरीज गंवाने के बाद न्यूजीलैंड की कोशिश वनडे सीरीज बचाने पर होगी। न्यूजीलैंड अब सीरीज अपने नाम नहीं कर सकता, लेकिन उसके पास भारत को बराबरी पर रोकने का मौका है। न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन में भी बदलाव होंगे, क्योंकि मैट हेनरी और काइल जैमीसन टेस्ट टीम से जुड़ गए हैं। जैकब डफी को मौका मिल सकता है।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा- 'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'



अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, "मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।"

उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, "सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।"

बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, "मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।"

श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

'कम से कम लोग मुझे तो देखते हैं', समय ने किया तंज, हुमा ने दिया करारा जवाब

कॉमेडी शो 'इंडिया गॉट लेटेंट 2' में अभिनेत्री हुमा कुरैशी मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान कॉमेडियन समय रैना ने फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर एक्ट्रेस पर तंज कसा। यह मेगाबजट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित नहीं कर पाई थी।

'टॉक्सिक' पर क्या बोले समय रैना?

समय रैना ने हुमा कुरैशी की हालिया रिलीज हुई फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर कहा, "आमतौर पर लोग इंडियाज गॉट लेटेंट में आते हैं और उसके बाद उनकी फिल्म फ्लॉप हो जाती है। आप पहली ऐसी इंसान हैं, जिनकी फिल्म पहले फ्लॉप हुई और फिर आप यहां आईं।" हालांकि, हुमा ने भी तुरंत करारा जवाब दिया। समय की बात पर प्रतिक्रिया देते हुए हुमा ने कहा, 'यार, मैंने तो बस टॉक्सिक नाम की फिल्म में एक्टिंग की है, लेकिन असल जिंदगी में तो तुम खुद ही 'टॉक्सिक' हो।'

हुमा बोलीं- जहर उगलते रहते हो

हुमा के समय रैना के इस बयान के बाद समय ने कहा, 'लेकिन कम से कम लोग मुझे देखते तो हैं' इस पर हुमा ने कहा कि आजकल 'हेट-वॉचिंग' (नफरत के कारण देखना) का भी चलन है, जिससे व्यूज बढ़ जाते हैं। इसलिए शायद यह शो टॉप पर है। इस



बात पर समय हंस पड़े और बोले कि यही बात 'टॉक्सिक' पर भी लागू होती है, साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि फिल्म के ट्रेलर में ही कई इंटीमेट सीन थे। हुमा हंसीं और बोलीं कि जब समय मेहमानों को शो में बुलाते हैं तो बहुत तमीज से बात करते हैं, लेकिन शो के दौरान हमेशा 'जहर' उगलते रहते हैं।'

'टॉक्सिक' के बारे में

फिल्म 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया था। फिल्म में हुमा कुरैशी के अलावा यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में थीं। फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को अक्रामक सीन्स की वजह से सीबीएफसी ने फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट दिया था।

राणा दग्गुबाती की फिल्म का पहला लुक आया सामने, कंगना रनौत निभाएंगी अहम किरदार

अभिनेता-निर्माता राणा दग्गुबाती ने आगामी हॉरर फिल्म 'स्केरी पिक्चर' का पहला लुक सामने आया है। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में हैं। यह एक हॉरर कहानी पर आधारित होगी।

फिल्म पर क्या बोले राणा दग्गुबाती?

फिल्म 'स्केरी पिक्चर' पर राणा दग्गुबाती ने एएनआई से बातचीत में कहा, "स्केरी पिक्चर से शुरू करते हुए हमारा लक्ष्य इस शैली से प्यार करने वाले फिल्म निमार्ताओं के लिए निरंतर निर्माण सहायता और रिलीज के अवसर उपलब्ध कराना है। भारत हर शैली में विविधतापूर्ण है और हॉरर भी इससे अलग नहीं है। हर क्षेत्र के अपने भय, अपनी कहानियां और उन्हें बताने के अपने तरीके हैं। हम हर उपशैली के लिए खुले हैं। मनोवैज्ञानिक, जीव-जंतु, हॉरर-कॉमेडी, सामाजिक हॉरर, या फिल्म निर्माता हमारे सामने जो भी नई कहानियां लेकर आएं।"

कौन हैं निर्माता- निर्देशक?

फिल्म 'स्केरी पिक्चर' का निर्देशन रवि बाबू ने किया है। वह इससे 'अनसूया' और 'अवुनु' जैसी तेलुगु फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इसका निर्माण सुरेश बाबू ने सुरेश प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। यह फिल्म इस बैनर की



पहली हॉरर फिल्म है। फिल्म की कहानी, शेष कलाकारों और कंगना रनौत की भूमिका के बारे में अधिक जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। फिल्म निमार्ताओं ने फिल्म की रिलीज डेट 2027 में बताई है।

दग्गुबाती ने दिया कहानियों को न्यौता

इससे पहले वेरायटी को दिए एक इंटरव्यू में राणा दग्गुबाती ने नई कहानियों को न्यौता दिया था। राणा ने कहा था, "फिल्म निर्माता अपने विचार इमेव पर भेज सकते हैं, और हम उनकी समीक्षा करने के बाद आपसे संपर्क करेंगे। आदर्श रूप से, एक सबमिशन में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए पूरी पटकथा, तीन से पांच मिनट का फुटेज, चाहे वह फिल्म से हो या उनके पिछले काम से, एक संक्षिप्त परिचय जिसमें बताया गया हो कि वे कौन हैं और वे यह फिल्म क्यों बनाना चाहते हैं।"

ट्रॉफी का खेल अब बना मौत का खेल, शनाया कपूर की सीरीज में कितना है दम?

करण जौहर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' फ्रेंचाइजी की शुरूआत साल 2012 में हुई थी। पहली फिल्म में आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आए थे। दोस्ती, प्यार और स्टूडेंट ऑफ द ईयर की ट्रॉफी जीतने की होड़ इस फिल्म की कहानी थी।

2019 में आई दूसरे पार्ट में टाइगर श्रॉफ, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया थे। अब इस फ्रेंचाइजी का अंदाज बदल गया है। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' में न पुराना रोमांस है, न वही ग्लैमर। इस बार कहानी एक लड़की की मौत और स्कूल में चल रहे खतरनाक खेल के इर्द-गिर्द घूमती है।

छह एपिसोड की इस सीरीज में रहस्य है, नकाबपोश लोग हैं और कई ऐसे राज हैं, जो धीरे-धीरे सामने आते हैं। अब यह सीरीज देखने लायक है या नहीं ...जानने के लिए पूरा रिव्यू पढ़ें।

कहानीः

सेंट टेरेसा हेरिटेज स्कूल की पूर्व चाइल्ड आर्टिस्ट आयशा मलिक (शनाया कपूर) का शव बरखाली झील में मिलता है। पुलिस इसे आत्महत्या बताकर केस बंद कर देती है। उसकी जुड़वां बहन अदिति (शनाया कपूर) इस फैसले से संतुष्ट नहीं है। वैसे, दोनों के बीच लंबे समय से बातचीत नहीं थी, फिर भी अदिति सच जानने के लिए अपनी पहचान छिपाकर उसी स्कूल में दाखिला लेती है।

वहां उसे 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' नाम की एक गुप्त प्रतियोगिता के बारे में पता चलता है। इसे नकाबपोश लोग चलाते हैं। स्टूडेंट्स को खतरनाक चुनौतियां दी जाती हैं और जीतने वाले की सबसे बड़ी इच्छा पूरी करने का वादा किया जाता है। अदिति भी इस खेल का हिस्सा बनती है। इसी दौरान उसे छात्रों पर नजर रखने के लिए इस्तेमाल होने वाले ट्रैकर टोकन...सीसीटीवी से छेड़छाड़ और कई छिपे हुए राज का पता चलता है। बहन आयशा के फोन में मिला एक सुराग भी उसकी मौत की गुत्थी को और उलझा देता है।

फ्रेंचाइजी का बदला हुआ चेहरा

पहली फिल्म में छात्रों के सामने ट्रॉफी जीतने का सपना था। इस बार खेल कहीं ज्यादा खतरनाक है। हर छात्र की अपनी इच्छा है। कोई पॉपुलर होना चाहता है। ...तो कोई अपनी जिंदगी बदलना चाहता है। नकाबपोश लोग इन्हीं इच्छाओं का फायदा उठाते हैं। यही विचार सीरीज को पुराने अंदाज से अलग करता है।



स्कूल का अमीरों वाला माहौल ... छात्रों के बीच मुकाबला और उनके छिपे राज कहानी का हिस्सा हैं। लेकिन यहां दोस्ती और प्यार से ज्यादा जोर रहस्य और अपराध पर है। फ्रेंचाइजी के लिए यह बदलाव नया है और कम से कम शुरूआत में उत्सुकता बनाए रखता है।

अभिनयः

शनाया कपूर के लिए यह सीरीज एक बड़ा मौका है। एक ही शो में जुड़वां बहनों का किरदार निभाना आसान नहीं होता। आयशा और अदिति के पर्सनालिटी में फर्क दिखाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। शनाया कोशिश करती हैं... लेकिन अभी उनके अभिनय में ठहराव और भावनाओं की गहराई की जरूरत है। कई सीन्स में उनके चेहरे के हाव-भाव एक जैसे लगते हैं।

शनाया के बोलने का अंदाज भी एक जैसा रहता है। दुख हो या गुस्सा, उनकी आवाज में उस हिसाब से बदलाव नजर नहीं आता। इमोशनल सीन्स में वह दर्शकों से जुड़ नहीं पातीं। दोहरी भूमिका मिलना अपने आप में अभिनय की बड़ी उपलब्धि नहीं है। असली परीक्षा दोनों किरदारों को अलग-अलग पहचान देने की होती है।

शीबा चड्ढा, हर्ष छाया और विवेक गोम्बर जैसे अनुभवी कलाकारअपनी मौजूदगी से सीन्स को मजबूत बनाते हैं।। युवा कलाकारों में दिविक शर्मा, मान्या ग्रोवर, अभिनव सिंह, दीया दामिनी और आदि मलिक शामिल हैं। हालांकि, सभी किरदारों को अपनी कहानी सामने रखने का बराबर मौका नहीं मिलता।

निर्देशन और तकनीकी पक्षः

निर्देशक रीमा माया इससे पहले 'काउंटरफिट कुंकू' (2018) और 'नॉक्टर्नल बर्गर' (2023) जैसी शॉर्ट फिल्में बना चुकी हैं। दोनों फिल्मों का प्रीमियर सनडांस फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' से उन्होंने वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखा है।

अच्छी बात यही है कि रीमा ने पुरानी फ्रेंचाइजी को दोहराने के बजाय इसे थ्रिलर का रूप दिया है। स्कूल की चमक-दमक के पीछे चल रहे खेल को दिखाने की कोशिश अच्छी है। नकाबपोश लोगों की मौजूदगी कहानी में रहस्य बनाए रखती है। तकनीकी तौर पर सीरीज अच्छी है। खासकर अंधेरे सीन्स और गेम के दौरान लाल रोशनी का इस्तेमाल माहौल को डरावना बनाता है। सिनेमैटोग्राफी अच्छी है और बैकग्राउंड स्कोर भी कई सीन्स में तनाव बढ़ाता है। कुछ रैप गाने तेज रफ्तार वाले सीन्स के साथ ठीक बैठते हैं।

स्क्रीनप्लेः

सीरीज का विचार अच्छा है, लेकिन इसे पर्दे पर उतारने में कुछ कमियां रह गई हैं। छात्रों की इच्छाओं और कमजोरियों को उनके खिलाफ इस्तेमाल करने का तरीका कहानी को दिलचस्प बनाता है। हालांकि, शुरूआत में बहुत सारे किरदार और उनके राज एक साथ सामने आते हैं।

इससे कहानी थोड़ी उलझ जाती है। कुछ जगह रहस्य को जरूरत से ज्यादा खींचा गया है। चौथे एपिसोड से कहानी संभलती है और आखिरी दो एपिसोड में दिलचस्पी बढ़ती है।

नेगेटिव पॉइंट्सः यहां कमजोर पड़ती है सीरीज

शनाया की एक्टिंग कमजोरः शनाया दोनों किरदारों के साथ न्याय नहीं कर पातीं। दोनों बहनों के स्वभाव और सोच में फर्क होने के बावजूद पर्दे पर वे लगभग एक जैसी लगती हैं। इससे दोहरी भूमिका का असर खत्म हो जाता है।

शुरूआत में उलझती है कहानीः पहले कुछ एपिसोड में बहुत कुछ एक साथ समझाने की कोशिश की गई है। कई किरदार और उनके राज दर्शकों को उलझाते हैं। मिस्ट्री में शेरलॉक होम्स जैसा जासूसी अंदाज भी जबरन डाला हुआ लगता है।

अंत छोड़ता है सवालः कातिल का खुलासा चौंकाता है, लेकिन इसके बाद कहानी अचानक खत्म हो जाती है। कुछ सवालों के जवाब नहीं मिलते। लगता है कि दूसरे सीजन के लिए कहानी अधूरी छोड़ी गई है।

नयापन नहीं दिखताः सीरीज देखते हुए 'प्रिटी लिटिल लायर्स' (अमेरिका), 'एलीट' (स्पेन) और 'स्क्विड गेम' (दक्षिण कोरिया) की याद आती है। अमीर छात्रों के राज, मौत के बाद शक और नकाबपोश लोगों का खेल पहले भी देखा जा चुका है। इसलिए कहानी में कुछ नया नहीं लगता।

देखें या नहीं?

कुल मिलाकर, 'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' में एक दिलचस्प थ्रिलर बनने की गुंजाइश थी। कुछ अच्छे ट्विस्ट के बावजूद यह सीरीज अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाती। इसे देखने के बाद कहानी से ज्यादा इसके अधूरे सवाल याद रह जाते हैं। अगर आप मर्डर मिस्ट्री के शौकीन हैं, तो एक बार देख सकते हैं।